राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,३१ दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३३२ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

कोरोना का नया स्ट्रेन मिलने के बाद यूपी में हड़कंप, सरकार ने जारी किया अलर्ट

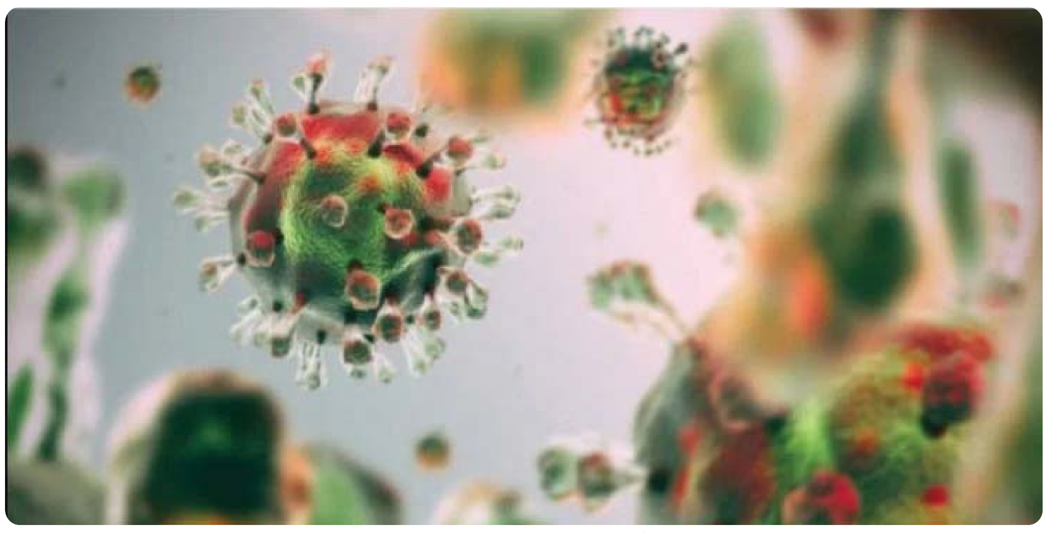

लखनऊ। ब्रिटेन में मिले कोरोना के नए स्ट्रेन से यूपी की दो साल की बच्ची के संक्रमित पाए जाने के बाद प्रदेश में हड़कंप मच गया है। कोरोना के बदले स्ट्रेन का यूपी में इस पहले मामले के सामने आने के साथ स्वास्थ्य महकमा हाई अलर्ट पर आ गया है। स्वास्थ विभाग की ओर से पूरे प्रदेश के लिए विभागीय अधिकारियों व पैरामेडिकल स्टाफों के लिए बकायदा एडवाइजरी भी जारी की गई है जिसमें कहा गया है कि वे बदले स्ट्रेन को लेकर पूरी एहतितात बरतें और अस्पतालों को भी हाई अलर्ट पर रखें। नए स्ट्रेन वाले मरीजों को अलग आइसोलेशन वार्ड में भर्ती करने की व्यवस्था की जाए। यह भी कहा गया है कि विदेश से लौटे लोगों को 28 दिन तक घर में ही रहने को कहें चाहे उनकी आरटी पीसीआर रिपोर्ट नेगेटिव क्यों न आई हो। विदेश से लौटे यात्री घर पर भी मास्क लगाकर रहे। परिवार वालों से कम से कम मिले। साथ ही सर्दी जुखाम, बुखार समेत दूसरे लक्षण नजर आने पर संक्रमित व्यक्ति को तत्काल कोविड कंट्रोल सेंटर भेजा जाए। यह भी निर्देश दिए गए हैं कि विदेश से लौटे सभी यात्रियों की पूरी निगरानी की जाए और उनकी हर हाल में आरटीपीसीआर जांच जरूर कराई जाए। नए स्ट्रेन वाले मरीजों को अलग से आइसोलेशन वार्ड बनाकर उनमें भर्ती किए जाएं और उनकी सतत निगरानी की जाए। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि संक्रमित व्यक्ति कहीं ब्रिटेम में मिले कोरोना के नए स्ट्रेन से ग्रसित तो नहीं है इसके लिए उसकी 'जिनोम सीक्रेंसिंग' भी जरूर कराई जाए। विभाग ने यह भी निर्देश दिए हैं कि अगर किसी में नए स्ट्रेम का पता चलता है तो तत्काल उसे पूरी तरह से पृथक वार्ड में रखकर इसकी सूचना व विभागीय मुख्यालय व नियंत्रण कक्ष को दें। ब्रिटेन से यूपी आए लोगों में से अभी भी 565 लोगों को अब तक नहीं ढूंढ़ा जा सका है। बुधवार को पांच लोगों की पहचान की गई और उनका सैम्पल लेकर जांच के लिए सीएसआईआर दिल्ली भेजा गया। इस बीच स्वास्थ्य विभाग ने ब्रिटेन से लौटकर आए लोगों का पता लगाने के लिए मंगलवार को कई स्थानों पर पूछताछ की लेकिन उन्हें सफलता हासिल नहीं हो सकी कारण बीते 9 दिसंबर के बाद प्रदेश में आए इन लोगों में से ज्यादातर के मोबाइल या तो स्वीच ऑफ हैं या फिर नॉट रिचैबल लिहाजा इन लोगों से स्वास्थ्य विभाग का सम्पर्क नहीं हो पा रहा है।

विदित हो कि 9 दिसंबर के बाद यूपी आए 1655 लोगों में से अब तक मात्र 1090 लोगों को ही ढूढ़ा जा सका है। इन सब की आरटीपीसीआर जांच में 10 लोग पाजिटिव मिल चुके हैं। इनमें से आठ यूपी में तथा दो दिल्ली के अस्पतालों में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभागकी ओर से कहा गया है कि चिन्हित हर व्यक्ति की जांच हर हाल में कराई जाए और जांच में संक्रमित पाए जाने पर उस व्यक्ति को हर हाल में अस्पताल में भर्ती कराया जाए।

अधिकारियों की माने तो विभाग ने जिलों को चिन्हित करके वहां के सीएमओ को टीम गठित करने और चिन्हित पते पर जाकर सम्बन्धित व्यक्ति की जांच करने के निर्देश दे दिए गए हैं। यह भी कहा गया है कि इस कार्य में किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही न बरती जाए। विभाग ने इस बात के निर्देश दिए हैं कि अगर किसी में नए स्ट्रेम का पता चलता है तो तत्काल उसे पूरी तरह से पृथक वार्ड में रखकर इसकी सूचना व विभागीय मुख्यालय व नियंत्रण कक्ष को दें।

नए स्ट्रेन वाले मरीजों को अलग आइसोलेशन वार्ड में भर्ती करने की व्यवस्था की जाए। यह भी कहा गया है कि विदेश से लौटे लोगों को 28 दिन तक घर में ही रहने को कहें चाहे उनकी आरटी पीसीआर रिपोर्ट नेगेटिव क्यों न आई हो।

कांग्रेस अध्यक्ष बनने से हिचक रहे हैं राहुल गांधी, पार्टी ने तैयार किया प्लान बी

नई दिल्ली। बीते साल लोकसभा चुनावों के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था और फिर अगस्त में पार्टी ने सोनिया गांधी को अंतरिम अध्यक्ष चुना। हालांकि, 18 महीने बीत जाने के बाद भी कांग्रेस को अपना स्थायी अध्यक्ष नहीं मिला है। पार्टी के मीडिया प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने इसी महीने कहा था कि 99.9त्न कांग्रेसी राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाना चाहते हैं लेकिन अब यह सामने आ रहा है कि राहुल गांधी खुद ही अध्यक्ष बनने से हिचक रहे हैं। ऐसे में पार्टी ने अपने लिए एक प्लान बी तैयार किया है।

हमारे सहयोगी संवाददाता ने अध्यक्ष चुने जाने को लेकर कई कांग्रेस नेताओं से बातचीत की, जिनमें से कुछ पार्टी के कोर ग्रुप में भी शामिल हैं। इनमें से दो ने पहचान जाहिर न करने की शर्त पर बताया कि राहुल गांधी को मनाने की कई बार कोशिश की गई है लेकिन वह इस पद पर वापसी से हिचक रहे हैं। एक तीसरे नेता ने बताया कि यह कमोबेश अब निश्चित ही मानिए कि हाल-फिलहाल में राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी चीफ के तौर पर वापसी नहीं करेंगे।

सोनिया गांधी के खराब स्वास्थ्य की वजह से पार्टी नेताओं ने एक सक्रिया लीडर की मांग की है। इसी साल अगस्त में कांग्रेस के 23 नेताओं ने सोनिया को चिट्ठी लिख पार्टी की कार्यशैली में बदलाव किए जाने की मांग की थी। इस चिट्ठी पर हस्ताक्षर करने वालों में सांसद शशि तरूर और मनीष तिवारी, राज्य सभा में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद, आनंद शर्मा, हरियाणा के पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण शामिल थे।

इस मामले के जानकार एक शख्स ने बताया, पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल को मनाने की कोशिश कर रहे हैं। इन सबने सोनिया गांधी से भी बात की है ताकि वह राहुल का फैसला बदल सकें लेकिन हम यही कह सकते हैं कि राहुल अध्यक्ष बनने से हिचक रहे हैं।

चैनल की टीआरपी बढ़ाने को अर्नब गोस्वामी ने बार्क के सीईओ को दिए लाखों रुपये-पुलिस

मुंबई। टेलिविजन रेटिंग पॉइंट्स यानी टीआरपी घोटाले की जांच कर रही मुंबई क्राइम ब्रांच ने दावा किया है कि रिपब्लिक टेलिविजन के मालिक अर्नब गोस्वामी ने चैनल की टीआरपी बढ़ाने के लिए बार्क के सीईओ को लाखों रुपये दिए थे। पुलिस के मुताबिक, ब्रॉडकास्ट ऑडिएंस रिसर्च काउंसिल यानी बार्क के पूर्व सीईओ पार्थो दासगुप्ता साल 2017 से 2018 के बीच अर्नब के सीधे संपर्क में थे और इस दौरान उन्हें विदेशी-भारतीय दोनों ही करेंसी में लाखों रुपये भेजे गए, वह भी मुंबई के अलग-अलग जगहों से। मुंबई पुलिस ने सोमवार को एक स्थानीय अदालत से कहा कि ब्रॉडकास्ट बार्क के पूर्व सीईओ पार्थ दासगुप्ता ने बार्क के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी और रिपब्लिक टीवी के प्रधान संपादक अर्नब गोस्वामी के साथ मिलीभगत कर रिपब्लिक टीवी और इसके हिंदी चैनल के लिए टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट में धोखाधड़ी की। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने यहां मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किए गए रिमांड नोट में दासगुप्ता की और हिरासत की मांग की और दावा किया कि कथित टीआरपी घोटाले के वह मुख्य साजिशकर्ता थे । पुलिस के मुताबिक, दासगुप्ता और अन्य आरोपियों ने षड्यंत्र कर कथित तौर पर खास समाचार टीवी चैनलों को वित्तीय लाभ पहुंचाने के लिए टीआरपी से छेड़छाड़ की। पुलिस ने दावा किया कि बार्क के पूर्व सीओओ रोमिल रामगढ़िया ने भी कुछ खास समाचार चैनलों के लिए दासगुप्ता के साथ मिलीभगत कर टीआरपी से छेड़छाड़ की। पुलिस रिमांड नोट में आरोप लगाया गया कि गोस्वामी ने समय-समय पर दासगुप्ता को लाखों रुपये का भुगतान किया। मजिस्ट्रेट ने दासगुप्ता की पुलिस हिरासत 31 दिसंबर तक बढ़ा दी है। फरार चल रहे दासगुप्ता को 24 दिसंबर को पुणे से से गिरफ्तार किया गया था। इस मामले के जानकार एक शख्स ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि दासगुप्ता और अर्नब गोस्वामी की पहचान काफी सालों पुरानी है। गोस्वामी ने टीआरपी से छेड़छाड़ के लिए दासगुप्ता की मदद ली। वे दोनों साल 2017 में एक पांच सितारा होटल में मिले थे।

सरकार सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिशों पर 31 तक फैसला ले सकती है

नई दिल्ली। केंद्र सरकार चार उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों के तबादले और पांच न्यायाधीशों को प्रोन्नत कर उच्च न्यायालयों का मुख्य न्यायधीश बनाने के सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम की सिफारिशों पर इस महीने की आखिरी तारीख तक फैसला कर सकती है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कागज़ी कार्य करीब-करीब पूरा हो गया है और 31 दिसंबर तक फैसला आ सकता है। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने हाल में सरकार से आंध्र प्रदेश के मुख्य न्यायाधीश जे के माहेश्वरी को सिक्किम उच्च न्यायालय स्थानांतरित करने सहित चार मुख्य न्यायाधीशों के तबादले की सिफारिश की थी। गौरतलब है कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने अप्रत्याशित कदम उठाते हुये छह अक्टूबर को प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखा था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि न्यायमूर्ति माहेश्वरी के नेतृत्व वाले आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय का उनकी निर्वाचित सरकार को अस्थिर करने के लिये इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रधान न्यायधीश एस ए बोबडे की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने 14 दिसंबर को हुई बैठक में न्यायमूर्ति डॉ. एस मुरलीधर को पदोन्नति देकर उड़ीसा उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की थी। साथ में चार अन्य न्यायाधीशों को अलग अलग उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की अनुशंसा की थी। न्यायमूर्ति मुरलीधर इस समय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हैं। उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय से पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय स्थानांतरित करने के लिए 26 फरवरी की आधी रात को जारी की गई अधिसूचना को लेकर विवाद हो गया था। कॉलेजियम ने दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति हिमा कोहली को तेलंगाना उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश और कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीब बनर्जी को मद्रास उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की है। शीर्ष अदालत की वेबसाइट के अनुसार कॉलेजियम की 14 दिसंबर को हुयी बैठक में कॉलेजियम ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पंकज मिथल को जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश और उत्तराखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया को गौहाटी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है।

पुलिस बलों में 5 लाख 31 हजार से ज्यादा पद खाली, महिलाओं की संख्या 16 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। देश के विभिन्न राज्यों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में लगभग 5 लाख 31 हजार 737 रिक्तियां हैं। लेकिन महिलाओं की संख्या 16 फीसदी तक बढ़ी है। यह जानकारी ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीआरडी) ने एक जनवरी 2020 तक की स्थिति के आधार पर जारी ताजा रिपोर्ट में दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि देश भर में कुल स्वीकृत 26,23,225 पदों में से मौजूदा संख्या 20,91,488 है। इनमें महिलाओं की संख्या 2,15,504 यानी करीब 10.30 फीसदी है। पुलिस बल में महिलाओं की संख्या गत वर्ष की तुलना में 16 फीसदी ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय सशस्त्र बलों में कुल स्वीकृत पद 11,09,511 है। जबकि वास्तविक संख्या 9,82391है। यानी एक लाख 27 हजार से ज्यादा पद रिक्त हैं। केंद्रीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की कुल संख्या 29,249 (तीन फीसद से भी कम) 2.98 प्रतिशत है। मंत्रियों, सांसदों,विधायकों, जज व अन्य

रिपोर्ट में बताया गया है कि देश भर में कुल स्वीकृत 26,23,225 पदों में से मौजूदा संख्या 20,91,488 है। इनमें महिलाओं की संख्या 2,15,504 यानी करीब 10.30 फीसदी है।

वीआईपी जिन्हें छह महीने से ज्यादा की सुरक्षा मिली है उनके लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात हैं। वर्ष 2019 में 19467 लोगों की सुरक्षा के लिए स्वीकृत 43,566 जवानों की तुलना में 66043 जवानों को सुरक्षा ड्यूटी में लगाया गया।

उत्तर भारत में शीतलहर से बढ़ी कंपकंपी, दिल्ली में सता रही सर्दी, चंडीगढ़ में ठंड का टॉर्चर

नई दिल्ली। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पहाड़ी क्षेत्रों में ताजा बर्फबारी के बाद उत्तर भारत में शीतलहर का प्रकोप और बढ़ गया। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में न्यूनतम तापमान लुढ़कर 3.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। हरियाणा और पंजाब के कई हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से जारी शीत लहर मंगलवार को और तेज हो गई। जबकि राजस्थान में तेज और ठंडी हवाओं के असर से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। उधर, हिमाचल प्रदेश में शीतलहर में जबरदस्त बढ़ोत्तरी हुई। कश्मीर में हल्की बर्फबारी से पर्यटकों में उत्साह देखा गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के कारण जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में जगह जगह हिमपात हुआ।

दिल्ली में तापमान गिरा-दिल्ली भी मंगलवार को शीतलहर से ठिठुरती रही और यहां न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पूरी दिल्ली का औसत तापमान बताने वाली सफदरजंग वेधशाला ने सोमवार रात न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जबकि अधिकतम तापमान 18.1 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से दो डिग्री कम है। विभाग के अनुसार, आया नगर और लोधी रोड मौसम केंद्रों ने न्यूनतम तापमान क्रमशः 2.6 डिग्री सेल्सियस और 2.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

चंडीगढ़ में मौसम की सबसे सर्द रात-हरियाणा और पंजाब के कई हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से जारी शीत लहर मंगलवार को और तेज हो गई। दोनों राज्यों में हिसार के अलावा, नारनौल, अमृतसर और चंडीगढ़ सहित कई स्थानों पर पिछली रात इस मौसम की सबसे ठंडी रात रही। मौसम विज्ञान विभाग के स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि हिसार में तापमान सामान्य से छह डिग्री नीचे दर्ज किया गया। वहीं अमृतसर में तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस रहा।हरियाणा के नारनौल में भी तापमान सामान्य से पांच डिग्री कम 0.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पंजाब में भी ठंड का कहर जारी रहा, जहां लुधियाना में न्यूनतम तामपान 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग ने दोनों राज्यों में अगले दो दिनों तक भीषण ठंड रहने का पूर्वानुमान लगाया है।

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी का सितम जारी-राजस्थान में तेज और ठंडी उत्तरी हवाओं के असर के चलते मंगलवार को अधिकतर स्थानों पर न्यूनतम और अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई वहीं कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान जमाव बिन्दू और उससे नीचे माइनस में दर्ज किया गया। मौसम विभाग के प्रवक्ता के अनुसार राज्य के एक मात्र पर्वतीय पर्यटक स्थल माउंट आबू में तापमान शून्य से नीचे चार डिग्री सेल्सियस, चूरू में जमाव बिन्दु शून्य डिग्री, सीकर में शून्य से नीचे एक डिग्री, पिलानी और भीलवाड़ा में 01-01 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अब भारत में तेजी से पांव फैला रहा ब्रिटेन वाला नया कोरोना वायरस, संक्रमितों की संख्या 20 पहुंची

नई दिल्ली। ब्रिटेन से भारत पहुंचा कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन अब तेजी से पांव पसार रहा है। भारत में कोरोना वायरस के नए प्रकार के मरीजों की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ है। ब्रिटेन के नए कोरोना वायरस से 14 और संक्रमित मिले हैं, जिससे देश में इसके मरीजों की संख्या 20 पहुंच गई है। ये सभी ब्रिटेन से भारत लौटे हैं। बता दें कि मंगलवार को ब्रिटेन से भारत लौटे छह लोगों के नमूनों में सार्स-सीओवी2 का नया स्वरूप (स्ट्रेन) पाया गया था।

कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन के सबसे अधिक मामले दिल्ली में मिले हैं। NCDC दिल्ली लैब में 14 सैंपल में से 8 नए स्ट्रेन से पॉजिटिव पाए गए हैं। वहीं, बेंगलुरु लैब में इसके संक्रमितों की संख्या 7 पाई गई है। कोलकाता और पुणे के लैब में नए कोरोना वायरस के एक-एक मामले सामने आए हैं। छ्वस्रूक्क हैदराबाद में भी कोरोना के नए प्रकार के 2 मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं, दिल्ली स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी में एक सैंपल पॉजिटिव पाया गया है।

कुल मिलाकर देश के 10 लैब में 107 सैंपलों की जांच की गई है और इनमें से 20 कोरोना वायरस के नए

प्रकार से पॉजिटिव पाए गए हैं। बता दें कि यह आंकड़ा 29 तारीख तक की जांच के हैं। आशंका जताई जा रही है कि इस वायरस से संक्रमितों की संख्या में और भी इजाफा हो सकता है। सबसे पहले ब्रिटेन में मिला वायरस का नया स्वरूप डेनमार्क, हॉलैंड, ऑस्ट्रेलिया, इटली, स्वीडन, फ्रांस, स्पेन, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, कनाडा, जापान, लेबनान और सिंगापुर में भी पाया गया है। गौरतलब है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया था कि बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विज्ञान अस्पताल (निमहांस) में जांच के लिए आए तीन नमूनों, हैदराबाद स्थित कोशिकीय एवं आणविक जीव विज्ञान केंद्र (सीसीएमबी) में दो नमूनों और पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) में एक नमूने में वायरस का नया स्वरूप पाया गया। मंत्रालय ने बताया कि राज्य सरकारों ने इन सभी लोगों को चिह्नित स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में अलग पृथक-वास कक्षों में रखा है और उनके संपर्क में आए लोगों को भी पृथक-वास में रखा गया है। मंत्रालय ने बताया कि 25 नवंबर से 23 दिसंबर की आधी रात तक ब्रिटेन से आए करीब 33,000 यात्री विभिन्न भारतीय हवाईअड्डों पर उतरे। इन सभी मरीजों पर नजर रखी जा रही है और राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन उनका आरटी-पीसीआर जांच कर रहे हैं। उनमें से अब तक 114 लोग संक्रमित पाए गए हैं। सभी संक्रमित नमूनों को जीनोम अनुक्रमण के लिए 10 आईएनएसएसीओजी की प्रयोगशालाओं में भेजा गया है। भारत सरकार ने ब्रिटेन में पाए गए वायरस के नए स्वरूप के मामलों का संज्ञान लिया और इसका पता लगाने के लिए अग्र सक्रिय एवं निवारक रणनीति अपनाई। ब्रिटेन से आने वाली सभी उड़ानों को 23 दिसंबर 2020 से 31 दिसंबर 2020 तक अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है और ब्रिटेन से हाल में लौटे यात्रियों की अनिवार्य रूप से जांच की जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नए कोरोना की चिंता

भारत में कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन से पीड़ित मरीजों का मिलना जितना दुखद है, उतना ही चिंताजनक भी। मंगलवार दोपहर तक करीब सात मरीज मिल चुके थे, जो ब्रिटेन से आए हैं। सबसे पहले ब्रिटेन में मिला वायरस का नया स्वरूप अब भारत के अलावा डेनमार्क, हॉलैंड, ऑस्ट्रेलिया, इटली, स्वीडन, फ्रांस, स्पेन, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, कनाडा, जापान, लेबनान और सिंगापुर में भी मिल चुका है। 25 नवंबर से 23 दिसंबर की आधी रात तक ब्रिटेन से भारत आए करीब 33,000 लोगों की जांच की जा रही है, उनके संपर्क में आए तमाम लोगों को भी जांचा जा रहा है। संदिग्धों को खोज-खोजकर सामान्य आबादी से अलग किया जा रहा है, तो यह बहुत जरूरी है। इसमें तो खैर अब शक की कोई बात ही नहीं है कि स्वयं नागरिक स्तर पर कोरोना को बहुत चलताऊ ढंग से लिया गया है। इस बीमारी को अभी भी बहुत से लोग सहजता से ले रहे हैं, तो इससे असहज कोई बात हो नहीं सकती। हालांकि, कमी केवल भारत के स्तर पर नहीं है, उस ब्रिटेन का भी कम दोष नहीं है, जहां चिकित्सा व्यवस्था को चाक-चौबंद माना जाता है, लेकिन तब भी वहां से कोरोना का नया स्ट्रेन लिए लोग दूसरे देशों के लिए यात्रा पर निकले हैं। क्या ब्रिटेन में पूरी जांच के बगैर ही लोगों को यात्रा की इजाजत दी जा रही है? क्या भारत में भी ऐसा ही किया जा रहा है? काश! भारत में कोरोना जांच सही ढंग से होती, तो एयरपोर्ट से बाहर किसी मरीज को बगैर मंजूरी पैर रखने की हिम्मत नहीं पड़ती। एकाधिक मामले हैं, जब मरीज एयरपोर्ट पर जांच करवाते हैं और रिपोर्ट आने से पहले ही रेलमार्ग से अपने गंतव्य के लिए निकल पड़ते हैं। क्या हम पढ़े-लिखे, पर बेहद लापरवाह दौर में जी रहे हैं? कहां हैं, वे नियम-कायदे, जो कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए बनाए गए थे? 70 फीसदी अधिक तेजी से फैलने वाले इस कोरोना स्ट्रेन से भी लोगों को डर नहीं लगता? बहुतों के लिए यह राहत की खबर होगी कि वैक्सीन से इस नए कोरोना स्ट्रेन से भी लड़ना संभव है, लेकिन हम क्यों भूल जाते हैं कि अभी टीकाकरण भारत में शुरू भी नहीं हुआ है। टीका आने से पहले ही अगर नया कोरोना वायरस फैला, तो क्या होगा? वैसे भी टीका लगते ही तत्काल सुरक्षा कवच हासिल हो जाता हो, ऐसा भी नहीं है। सावधानी, चौकसी, जांच, संक्रमण का पीछा करने और उसकी श्रृंखला तोड़ने की जरूरत अब ज्यादा बढ़ गई है। अभी चिंता वैक्सीन की नहीं, बड़ी चिंता कोरोना के नए विस्तार को रोकने की है। देश भूला नहीं है, 10 सितंबर के आसपास ऐसा लगा था कि भारत में प्रतिदिन एक लाख से अधिक लोग संक्रमित होने लगेंगे, लेकिन सावधानी और चौकसी की वजह से ही संक्रमण में एक चौथाई से भी ज्यादा कमी आई। हम अब ऐसी स्थिति में पहुंच रहे हैं, जहां कोरोना पर नियंत्रण करके उसके संक्रमण के आतंक से बहुत हद तक मुक्त हो सकते हैं, लेकिन तभी एयरपोर्ट जैसे विकसित सार्वजनिक स्थलों से लापरवाही का सामने आना सारी उम्मीदों पर पानी फेरने लगता है। तमाम हवाईअड्डों पर हमेशा के लिए ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि कोई भी किसी संक्रामक बीमारी के साथ देश की आम आबादी में न आ सके। ठंड के इस मौसम में अभी भी एक बड़ी आबादी कोविड-19 को लेकर अतिसंवेदनशील है और लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है।

आज के ट्वीट

आंसू

पहले कर्नाटक आईफोन की फैक्ट्री में तोड़फोड़ फिर महाराष्ट्र में अमेजन के गोदाम और ऑफिस में तोड़फोड़ और पंजाब में जिओ के 1600 टॉवर तोड़े गए और कुछ दिन बाद बेरोजगारी और अर्थव्यवस्था पर आंसू बहाएंगे

-- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

अपने बूते हो चीनी चुनौती का मुकाबला

विवेक काटजू

इस साल हमारी विदेश नीति के क्रियान्वयन में भारत-चीन संबंधों पर ध्यान सबसे ऊपर रहा है। इसमें कोई शक नहीं कि चीन ने अपनी हरकतों से लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति को भंग किया है। अन्यथा आमतौर पर लोगों की नजर ज्यादातर भारत-पाकिस्तान संबंधों पर रहती है, देश की विदेश और रक्षा संबंधी तरजीहें भी चीन को लेकर अधिक नहीं रहीं। तथापि सभी सरकारें और भारत के सामरिक नीति विचारकों को यह अहसास सदा रहा है कि देश के दीर्घकालीन हितों के लिए पाकिस्तान की बजाय चीन के साथ संबंधों पर ध्यान देना ज्यादा महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों का इतिहास लंबे समय से कड़वाहट भरा रहा है, चूंकि दोनों के बीच भावनाएं जल्द आहत होकर भड़क जाती हैं, जिससे ध्यान का केंद्र बिंदु चीन की अपेक्षा हमेशा पाकिस्तान पर अधिक रहा है। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने भारत के प्रति हमेशा वैर-विरोध वाला रवैया रखा है और हमारे देश में आतंकवाद फैलाने की उसकी सतत कोशिशों को हल्के में नहीं लिया जा सकता, नजरअंदाज करना तो दूर की बात है। उसकी इन हरकतों की वजह से भारत को खासा जानी-माली एवं आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है, किंतु पाकिस्तान के पास न तो वे संसाधन हैं, न ही कभी हो पाएंगे, जिनके बूते वह भारत की प्रगति में प्रभावी ढंग से अड़ंगा डाल सके। दूसरी ओर पिछले चार दशकों में चीन की आश्चर्यचकित करने वाली तरक्की ने उसको इस काबिल बना दिया है कि सामरिक क्षमताओं और अन्य संसाधन प्राप्ति में वह भारत से काफी आगे निकल गया है। इस अनुकूलता का प्रयोग कर वह भारत के क्षेत्रीय और वैश्विक आधार को कमजोर करके प्रगति में अड़चनें डालना चाहता है। इस वर्ष वास्तविक नियंत्रण रेखा पर उसके द्वारा अपनाया गया आक्रामक रुख आंशिक रूप से इसी उद्देश्य से था। 15 सितंबर को लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने वक्तव्य में चीनी कार्रवाई की तफ्सील से जानकारी दी थी। हालांकि इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया कि इस साल जिस जगह चीनी सैनिक पाए गए, क्या वे वहां पहले से उपस्थित थे या नहीं। इस तरह चीनी घुसपैठ और भारत की सैन्य प्रतिक्रिया पूरी तरह स्पष्ट नहीं होती। उन्होंने बताया कि अप्रैल माह में चीन द्वारा अपनी सीमा में किए गए सैनिक और शस्त्रास्त्र के जमावड़े का हमें पता था। मई में चीन ने गलवान घाटी क्षेत्र में भारतीय सैनिकों द्वारा गश्त के लिए अपनाए जाते रहे सामान्य एवं रिवायती तौर-तरीकों में अड़चनें डालनी शुरू कर दी थी। उन्होंने आगे कहा- 'मई के मध्य में चीन ने कोंग्का ला, गोगरा और पैंगोंग झील के उत्तरी तट समेत कई जगहों पर वास्तविक नियंत्रण रेखा का उल्लंघन करने की अनेकानेक कोशिशें की थीं।' सिंह का दावा है कि हमारे सैनिकों ने भी 'माकूल' प्रतिक्रिया दी, लेकिन यह साफ नहीं किया कि 'माकूल' से उनका असल तात्पर्य क्या है। इससे आगे यह भी कहा, 'चीनियों ने 6 जून को दोनों देशों के सैन्य कमांडरों के बीच हुई सहमति को भी भंग किया और इसकी परिणति में 15 जून को गलवान में आमने-सामने की हिंसक झड़प वाली स्थिति पैदा हुई। जहां हमारे वीर सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी वहीं चीनियों को भी जानी नुकसान समेत भारी कीमत चुकानी पड़ी है।' उनका कहना था-'जारी वार्ताओं के बावजूद चीनियों ने 29-30 अगस्त की रात फिर से पैंगोंग झील के दक्षिणी तट पर यथास्थिति बदलने की कोशिश की थी, किंतु इस मर्तबा फिर वास्तविक नियंत्रण रेखा पर मुस्तैद हमारे सुरक्षा बलों द्वारा सही समय पर की गई दृढ़ प्रतिक्रिया से यह प्रयास सफल नहीं हो पाए।' अंत में उन्होंने लोकसभा को सूचित किया-'हाल की घड़ी, चीनियों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ और अपनी ओर काफी अंदर बड़ी संख्या में सैनिक और उपकरण एकत्र कर रखे हैं। पूर्वी लद्दाख में गोगरा, कोन्गा ला और पैंगोंग झील के उत्तरी एवं दक्षिणी तट पर कई जगहों पर तनाव के बिंदु बने हुए हैं।' चीनी कार्रवाई पर अपनी प्रतिक्रिया पर उन्होंने कहा कि अपने हितों के रक्षार्थ 'हमारे सुरक्षा बलों ने भी इन इलाकों में जवाबी तैनाती की है।' राजनाथ सिंह ने इस मामले को संवेदनशील विषय बताते हुए लोकसभा की सहमति का आह्वान किया कि विस्तृत जानकारी देने पर जोर न डाला जाए। संसद में दिए इस बयान के बाद से ही दोनों देशों के बीच सीमा संबंधी वार्ताएं जारी हैं, लेकिन जमीनी हकीकत क्या है और चीनी पेशकश क्या है, इस बारे में कोई आधिकारिक वक्तव्य जारी नहीं किया गया, लेकिन मीडिया की खबरों से यह निष्कर्ष निकलता है कि 1990 के दशक में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति सुनिश्चित करने वाले समझौते की भावना और संधि को अक्षरशः लागू करने को चीन अनिच्छुक है। हालांकि लगता है कि भारत सरकार लंबी खिंचने वाली समझौता वार्ताओं के लिए मन बनाए हुए है। इसके पीछे का कारण शायद यह है कि विगत में भी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव बनते रहे हैं, जिन्हें सुलझाने में कई वर्ष लगे थे, हालांकि यह स्थिति सुखदायक नहीं है। दुर्भाग्यवश, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हुई घुसपैठ का एक चिंताजनक पहलू है कि देश के लिए रक्षा और विदेश नीति जैसे विशुद्ध राष्ट्रीय विषयों पर घरेलू राजनीति का प्रवेश होना। एक ओर मोदी सरकार यह दिखाने को दृढ़संकल्प है कि पिछली कांग्रेसी सरकारों के मुकाबले उसने भारत की भूमि को पूरी तरह सुरक्षित रखा है तो दूसरी तरफ कांग्रेस इस प्रसंग को देश की रक्षा करने में सत्ताधारियों की कमजोरी बता रही है। इसे लेकर दोनों पक्षों द्वारा राजनीतिक नबंरबाजी बनाने का प्रयास करना बेमानी है और राष्ट्रीय हितों के लिए घातक भी। बिना शक यह समय है कि तमाम राजनीतिक दल एकता का परिचय देते हुए देश को दरपेश गंभीर चुनौती पर सरकार के साथ खड़े दिखाई दें। इससे क्षेत्र और इससे परे सही संकेत जाएगा। चीन ने अपने ताजा कृत्यों से पूर्व में अपनाई गई उन नीतियों को बेमानी कर डाला है जो वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थायित्व के लिए शांतिपूर्ण उपायों पर निर्भर थीं। चीन को लेकर विदेश एवं अन्य नीतियां नये सिरे से बनाने की जरूरत है ताकि वहां से होने वाले आयात पर हमारी निर्भरता कम हो सके। प्रधानमंत्री मोदी का आत्मनिर्भर भारत का आह्वान सामयिक और सामरिक दृष्टि से भी मौजूं है। इन नयी नीतियों में वे पहलू भी शामिल हों जो भारत के कुछ विदेशी संबंधों का पुनरावलोकन करें। मसलन, हिंद-प्रशांत क्षेत्र, एकदम साथ लगते पड़ोसी मुल्क और मुख्य ताकतों से रिश्ते, कम-से-कम उस नजरिए से जो चीन से दरपेश चुनौतियों के दृष्टिगत हों। इस साल कुछ कदम इस ओर उठाए गए हैं, जैसे कि क्वाड नामक संगठन में भारत की सक्रियता बढ़ाना, परंतु इसके लिए अभिनव कार्य-विधि बनानी होगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पड़ोसी देशों में चीन की बढ़ती पकड़ भारतीय हितों पर गलत असर न डाल पाए। जाहिर है चीन की आक्रामकता को नाथने की जरूरत के मद्देनजर भारत और अमेरिका के हित आपस में एक समान हैं, लेकिन चीन को लेकर बाइडेन प्रशासन क्या रुख और दिशा अपनाएगा इस बारे में अभी पक्का नहीं है। चीन को लेकर बाइडेन प्रशासन के साथ ईमानदार तालमेल रखना मोदी सरकार की एक आवश्यकता-नीत मजबूरी भी है, हालांकि अंततः चीन की धमकियों से निपटने के लिए भारत को अपनी क्षमताओं पर ही निर्भर होना पड़ेगा।

ज्ञान गंगा

मध्यम मार्ग

अगर आप अभी मौजूदा चीजों के साथ जुड़ जाते हैं, और जो नहीं है, उसकी कल्पना नहीं करते तो फिर आपके भीतर डर की कोई गुंजाइश ही नहीं बचेगी। आप जीवन का भरपूर आनंद तभी ले सकते हैं। आप अपने जीवन के साथ जो सबसे बड़ा अपराध कर सकते हैं, वह है-औसत दर्जे की जिंदगी जीना। इस तरह से जीवन जीकर आप जीवन के किसी भी छोर को नहीं छूते, न तो आप अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता तक पहुंच पाते हैं और न ही सबसे नीचे के बिंदु को छू पाते हैं। दोनों के बीच में ही कहीं भटकते रहते हैं। अगर आप यहां जीवन का अनुभव करने के लिए आए हैं, तो इसके लिए जिस चीज की सबसे ज्यादा जरूरत है, वह है-तीव्रता। अगर आपके भीतर तीव्रता नहीं होगी, तो आप बहुत ही छोटे स्तर पर जीवन का अनुभव कर पाएंगे। जैसे ही आप अपने डर को अपनी सुरक्षा के रूप में इस्तेमाल करते हैं, आपकी तीव्रता कम हो जाती है। एक बार अगर तीव्रता कम हो गई तो फिर जीवन का अनुभव करने की क्षमता भी चली जाएगी। तब आप एक मनोवैज्ञानिक केस बन कर रह जाते हैं। आप इस बात पर जरा ध्यान दें कि आखिर, आपका डर किस बात को लेकर है। आप का डर उस बात के लिए नहीं होता, जो घटित हो चुका होता है बल्कि 'क्या हो सकता है' इसे लेकर आप डरते हैं। लेकिन यह अभी घटित नहीं हुआ है। इसका मतलब है कि फिलहाल इसका कोई अस्तित्व नहीं है। फिर भविष्य को लेकर डरने का मतलब है कि आप उस चीज से पीड़ित हो रहे हैं, जिसका कोई अस्तित्व ही नहीं है। ऐसे में हम आपको पागल कहें या समझदार? आपके लिए एकमात्र सुकून की बात यह है कि आपके साथ बहुत से लोग हैं। लेकिन बहुमत होने से ही आप सही नहीं हो जाते, क्योंकि आप ऐसी चीज से परेशान हैं, जिसका अस्तित्व ही नहीं है। डर जीवन की देन नहीं है। डर भ्रमित मन की उपज है। जिसका कोई अस्तित्व ही नहीं है, आप उस चीज से इसलिए डरते हैं क्योंकि आपकी जड़ें वास्तविकता की जमीन में नहीं धंसी हैं, बल्कि वे आपके मन में धंसी हैं, जो लगातार अतीत से ताकत पा रहा है और भविष्य को गंदा कर रहा है। वास्तव में आप भविष्य के बारे में कुछ नहीं जानते। आप अतीत का एक टुकड़ा लेकर उसे झाड़ पोंछकर उसे थोड़ा सजाकर सोचते हैं कि यह भविष्य है।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

आजादी के दीवानों की याद का हो जश्न

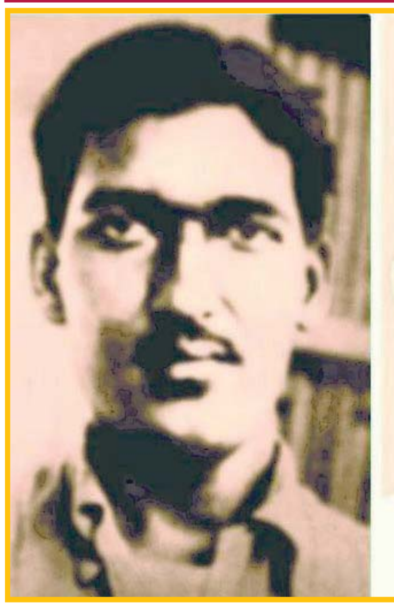

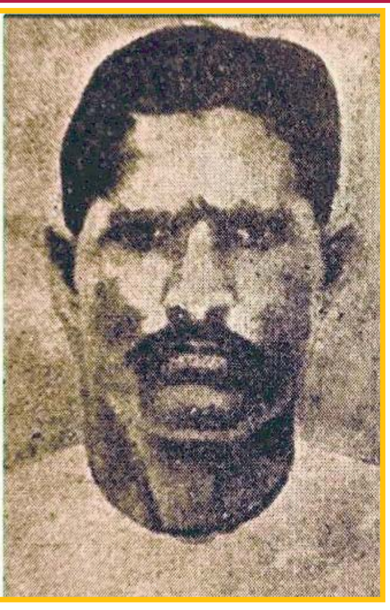

लक्ष्मीकांता चावला

पिछले अनेक वर्षों की तरह इस वर्ष भी दिसंबर का अर्थ अपने देश में, सरकारों में, समाज में और भारत से इंडिया बनते जा रहे समृद्ध वर्ग में केवल इतना ही है कि नव वर्ष के स्वागत की तैयारियां करो। नव वर्ष भी वह जो भारतीय संस्कृति के अनुसार सूर्य की पहली किरण के साथ नहीं, अपितु आधी रात के अंधेरों में मनाया जा रहा है। जयशंकर प्रसाद के अनुसार अंधकार में दौड़ लग रही, मतवाला यह सब समाज है। अब दौड़ भी अंधकार में लगती है और एक बहुत बड़ा वर्ग शराब के नशे में मतवाला भी हो जाता है। क्या दिसंबर का एक ही महत्व है कि पिछले वर्ष से नये वर्ष में जाने की तैयारी। यह वर्ष तो वैसे भी ब्रिटिश दासता का एक ऐसा नासूर है, जिसे हम मिटाते नहीं, बल्कि पाल-पोस कर बढ़ा रहे हैं। सच्चाई यह है कि दिसंबर में हमारे पास मनाने को बहुत कुछ है। याद करने को भी बहुत कुछ है। वास्तविकता तो यह है कि दिसंबर मास में भारत के इतने बेटे-बेटियां शहीद हुए, अगर उनको ही याद करते रहें तो हर दिन अनेक शहीदों का बलिदान दिन या विशेष उल्लेखनीय कर्म का दिन है, पर याद कौन करेगा? आजादी के बाद उनको पूरी तरह भुला दिया, जिन्होंने आजादी दी। क्या देश यह याद न करता कि अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष करते हुए मेघालय के एक गांव में पैदा हुआ नौजवान थोग्गन नेग मइया संगमा बड़ी वीरता से अपने आसपास के ग्रामीण युवकों को एकत्रित कर अंग्रेजों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन गया। वर्षों तक उसने अंग्रेजों को चने चबवाए। उसे काबू करने के लिए अंग्रेज सेना ने एक साथ तीन ओर से हमला किया। जब वार्ता के लिए अंग्रेजों ने इसे अपनी छावनी में बुलाया तो 12 दिसंबर 1872 को इसे गोलियों से भून दिया। 24 दिसंबर 1930 दुनिया से पूछने का दिन है कि क्या किसी और देश ने ऐसी वीर बेटियां पैदा कीं। बंगाल की शांति घोष और सुनीति चौधरी अंग्रेजों के विरुद्ध क्रांतिकारी गतिवधियों में शामिल थी। त्रिपुरा जिले का मजिस्ट्रेट स्टीवंसन जो सुरक्षा की चार पंक्तियों के अंदर रहता था, वहां तक ये दोनों वीर बेटियां पहुंच गईं। स्टीवंसन को विश्वास दिला दिया कि वे वास्तव में ही नौका प्रतियोगिता के लिए आज्ञा लेने आई हैं और तभी दोनों ने पांच-पांच गोलियां मारकर उसका काम तमाम कर दिया। पूरे देश में ही नहीं, दुनिया में इन गोलियों की गूंज पहुंची। भारत की जनता ने इनमें दुर्गा, भवानी का अवतार महसूस किया। इसके बाद इन्हें काला पानी की जेल में भेजा गया। विडंबना है कि किसी इतिहासकार ने, सरकार ने, यह जानने का प्रयास ही नहीं किया कि ये दो भारत पुत्रियां काले पानी की जेल से मुक्त होने के बाद जिंदा वापस आईं या वहीं शहीद हो गईं। अगर जिंदा आईं तो कहां गईं? 23 दिसंबर 1912 को जब बंगाल से अंग्रेजों ने दिल्ली दरबार बनाने के लिए दिल्ली में प्रवेश किया तो चांदनी चौक में एक जबरदस्त बम धमाका हुआ। हाथी पर सवार लॉर्ड हार्डिंग घायल होकर बच गया, लेकिन महान क्रांतिकारी रासबिहारी बोस के नेतृत्व में भारत के वीर पुत्रों ने अपने संकल्प बल से विदेशी शासकों का यथायोग्य स्वागत किया। इस बमकांड के बाद भाई बाल मुकुंद, अवध बिहारी, अमीर चंद, बसंत कुमार आदि क्रांतिकारी पकड़े गए। सभी भारत माता की जय कहते हुए फांसी के फंदे पर लटका दिए गए। एक काकोरी कांड हुआ था, जिसने अंग्रेज सरकार को हिलाकर रख दिया। इसके लिए गिरफ्तार हुए रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला, राजिंदर लाहिड़ी, रोशन तथा अन्य कई साथियों ने माफी नहीं मांगी, न पश्चाताप किया। 17 दिसंबर 1927 को राजिंदर लाहिड़ी फांसी पर चढ़ाए गए। 19 दिसंबर को रामप्रसाद बिस्मिल ने गोरखपुर की जेल में शहादत पाई और 19 दिसंबर को ही अशफाख उल्ला ने फांसी का फंदा चूमा। उसने कहा- कुछ आरजू नहीं है, है आरजू तो यह रख दे कोई जरा सी खाक-ए-वतन कफन में। सामाजिक क्रांति के प्रणेता स्वामी श्रद्धानंद दिल्ली में एक शैतान की गोलियों का शिकार होकर शहीद हो गए। भारतवासी हर दिन शहादत के गीत गाएं तो भी कम, पर दिसंबर विशेषकर इसलिए उल्लेखनीय है कि 25 दिसंबर को मदन मोहन मालवीय का भी जन्म हुआ था, जो भारत को प्रथम विश्वविद्यालय देने वाले थे। 25 दिसंबर अटल बिहारी वाजपेयी का भी जन्मदिवस था। क्या दिसंबर केवल नये साल के जश्नों के लिए देशी-विदेशी शराब इकट्ठा करने, होटलों में नृत्य गाने के प्रबंध की बुकिंग करवाने और आधी रात के अंधेरों में नाच-नाच कर गुलामी की जूठन चाटने का है? सोचना तो पड़ेगा ही। स्वतंत्र भारत का गौरव 16 दिसंबर जब भारतीय सेना के आगे पाकिस्तान के 93 हजार नागरिकों ने नाक रगड़कर आत्मसमर्पण किया। मनाओ, गाओ पर देश के गीत।

अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें 31 जनवरी 2021 तक रहेंगी निलंबित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को भारत से अंतरराष्ट्रीय उड़ान पर निलंबन 31 जनवरी तक बढ़ा दिया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, यह प्रतिबंध अंतर्राष्ट्रीय ऑल-कार्गो परिचालन और डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) द्वारा अनुमोदित उड़ानों पर लागू नहीं होगा। बयान में कहा गया, हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों को सक्षम अधिकारी द्वारा चुनिंदा मार्गों पर केस-टू-केस बेसिस पर अनुमति दी जा सकती है। हाल में भारत ने कई देशों के साथ एयर बबल समझौते किए हैं जिसके तहत उड़ानों का परिचालन हो रहा है। इस प्रकार की व्यवस्था दोनों देशों के नागरिकों को एक दूसरे के देश में यात्रा करने की अनुमति देती है। कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन के चलते 25 मार्च से यात्री हवाई सेवाओं पर रोक लगा दी गई थी। हालांकि, घरेलू उड़ान सेवाएं 25 मई से फिर से शुरू कर दी गई।

सरकार ने एथनॉल डिस्टिलरीज के लिए 4,573 करोड़ रुपये की ब्याज सहायता को मंजूरी दी

नयी दिल्ली. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एथनॉल का उत्पादन करने वाली नयी डिस्टिलरीज के लिए 4,573 करोड़ रुपये की ब्याज सहायता को मंजूरी दी है। इस एथनॉल का इस्तेमाल पेट्रोल में मिलाने के लिए किया जाएगा। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रधान ने कहा कि कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने के लिए भारत को 2030 तक 1,000 करोड़ लीटर एथनॉल की जरूरत होगी। अभी देश की एथनॉल उत्पादन क्षमता 684 करोड़ लीटर की है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एथनॉल आसवन क्षमता के विस्तार के लिए एक संशोधित योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत जौ, मक्का जैसे मोटे अनाज, गन्ने और चुकंदर से पहली पीढ़ी के एथनॉल का उत्पादन किया जाएगा।

ईवी कॉस्मॉस ने भारत में 500 ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए चार्जनेट से हाथ मिलाया

नयी दिल्ली. भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग समाधान प्रदाता कंपनी ईवी कॉस्मॉस इंडिया ने देश में 500 सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाने के लिए चार्जनेट के साथ गठजोड़ की घोषणा की है। ईवी कॉस्मॉस दुनियाभर में इलेक्ट्रिक एनर्जी क्षेत्र में नवोन्मेषी उत्पाद और परियोजनाओं के विकास और आपूर्ति पर केंद्रित भारतीय संगठन है। एक बयान में कहा गया है कि ईवी कॉस्मॉस ने हाल में भारतीय बाजार में मिलकर काम करने के लिए चार्जनेट श्रीलंका के साथ करार किया है। ईवी कॉस्मॉस इंडिया के प्रबंध निदेशक प्रमोद गीते ने कहा, ''हमने हाल में चार्जनेट से हाथ मिलाया है। यह ब्रिटेन के कोडजेन ग्रुप की कंपनी है जिसका श्रीलंका में विनिर्माण संयंत्र है।'' गीते ने कहा कि चार्जनेट के साथ मिलकर हम भारतीय ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ ईवी चार्जिंग ढांचा उपलब्ध कराएंगे।

सोने में मामूली गिरावट, चांदी में लाभ

नयी दिल्ली, रुपये के मजबूत होने के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 16 रुपये की मामूली गिरावट के साथ 49,484 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्युरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र के दौरान सोने का भाव 49,500 रुपये प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी का भाव 205 रुपये बढ़कर 67,673 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। इससे पिछले दिन यह भाव 67,468 रुपये प्रति किलो था। बुधवार के आरंभिक कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया नौ पैसे की तेजी दर्शाता 73.33 रुपये प्रति डॉलर हो गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना मामूली तेजी के साथ 1,879 डालर प्रति औंस हो गया वहीं चांदी 26.22 डालर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''मंगलवार के मुकाबले डॉलर इंडेक्स के घटने से सोने की कीमत में तेजी आई।

Yes Bank ने निरंजन बनोडकर को बनाया CFO, जनवरी से संभालेंगे कमान

नई दिल्ली :

प्राइवेट सेक्टर के लेंडर यस बैंक ने बुधवार को कहा है कि उसने 1 जनवरी 2021 से निरंजन बनोडकर (**Niranjan Banodkar**) को अपने ग्रुप का चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर नियुक्त किया है। बैंक ने एक्सचेंज को दी गई जानकारी में कहा है कि बनोडकर अनुराग अदलखा की जगह लेंगे। अनुराग को चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर बनाया गया है। निरंजन बनोडकर के पास बैंकिंग में रिस्क मैनेजमेंट, कैपिटल मार्केट्स, फाइनेंशियल प्लानिंग और स्ट्रैटजी में 17 सालों का लंबा अनुभव है। बनोडकर मौजूदा समय में **Strategy** और **Planning function** के साथ-साथ **Sustainability agenda** का भी काम देखेंगे। बैंक ने बताया कि निरंजन ने अप्रैल 2006 में यस बैंक के साथ काम करना शुरू किया और मार्केट रिस्क फंक्शन को स्थापित करने वाले प्रमुख सदस्य से थे। बैंक के मुताबिक, निरंजन मार्केट रिस्क के प्रमुख के रूप में बैंक के फाइनेंशियल मार्केट्स बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए पॉलिसी, प्रोसीजर और लिमिट को स्थापित करने का काम देखते थे। बैंक ने आगे कहा कि पिछले 6 सालों में उन्होंने फाइनेंशियल और इन्वेस्टर स्ट्रेटजी के हेड के रूप में काम किया है। उन्होंने इक्विटी और डेट इंस्ट्रूमेंट्स में कई फंड जुटाने के काम की

अगुवाई की है। निरंजन ने अपने बैंकिंग करियर की शुरुआत बैंक ऑफ बहरीन एंड कुवैत से की थी। इसके साथ ही उन्होंने बैंक में **Risk & Business Solutions practice** में **E&Y** के साथ में भी उल्लेखनीय रुप से काम किया है। वो एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और उन्होंने **FRM (GARP)** की परीक्षा भी पास की है।

सरकार ने फिर बढ़ाई आईटीआर दाखिल करने की तारीख, 10 जनवरी तक मिली छूट

नेशनल डेस्क.

केंद्र सरकार ने **ITR** फाइल करने की तारीख को बढ़ा दिया है। पहले आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2020 तक थी। लेकिन अब इसे 10 दिनों के लिए यानि 10 जनवरी 2021 तक बढ़ा दिया है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी को ध्यान में रखते हुए वित्त वर्ष 2019-20 के लिए सालाना रिटर्न जमा करने की अंतिम तारीख 28 फरवरी 2021 तय की गई है।सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स एक्ट, 2017 के तहत यह फैसला लिया गया है। बता दें कि ये तीसरी बार है जब आयकर विभाग ने इनकम टैक्स भरने की आखिरी तारीख बढ़ाई है। इससे पहले आयकर विभाग ने पहले 31 जुलाई से आखिरी तारीख को 30 नवंबर तक के लिए बढ़ाया था, फिर इसे 31 दिसंबर तक के लिए बढ़ाया गया और अब इसे फिर से 10 जनवरी तक के लिए बढ़ा दिया गया है।

रुपये में पांचवें दिन भी तेजी, 11 पैसे की बढ़त के साथ दो माह के उच्चस्तर पर

मुंबई.

रुपये में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी कायम रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों का निवेश बढ़ने और वैश्विक बाजारों में डॉलर के कमजोर होने से अन्तरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे की तेजी दर्शाता करीब दो महीने के उच्चस्तर 73.31 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अन्तरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में, डॉलर के मुकाबले रुपया 73.35 पर खुला और कारोबार के दौरान इसने 73.26 के दिन के उच्चस्तर और 73.36 के निम्न स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में रुपया अंततः 73.31 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की तेजी को दर्शाता है। इससे पहले रुपया 13 अक्टूबर को इस स्तर पर बंद हुआ था। मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 73.42 रुपये पर बंद हुआ था। पिछले पांच कारोबारी सत्रों में भारतीय रुपए में 53 पैसे की तेजी आई है। इस बीच, छह प्रमुख विदेशी मुद्राओं की तुलना में डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.21 प्रतिशत गिरकर 89.80 रह गया। घरेलू शेयर बाजार में 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 133.14 अंक की तेजी के साथ 47,746.22 पर बंद हुआ। शेयर बाजारों के अस्थाथी आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल बने रहे। उन्होंने मंगलवार को 2,349.53 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीद की। इस बीच, कच्चे तेल का वैश्विक मानक ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.80 प्रतिशत बढ़कर 51.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सेंसेक्स, निफ्टी रिकार्ड ऊंचाई पर, ब्रिटेन में एस्ट्राजेनेका के टीके को मंजूरी मिलने से धारणा मजबूत

मुंबई, शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स तथा एनएसई निफ्टी दोनों नये रिकार्ड स्तर पर बंद हुए। वैश्विक स्तर पर सकारात्मक रुख के बीच वित्तीय कंपनियों, वाहन और आईटी कंपनियों के शेयरों की अगुवाई में शेयर बाजारों में तेजी आयी है। एस्ट्राजेनका और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा विकसित कोविड-19 टीके को ब्रिटेन में मंजूरी से यूरोपीय शेयर बाजरों में शुरूआती करोबार में तेजी रही। ब्रिटेन पहला देश है, जिसने इन कंपनियों के टीके को मंजूरी दी है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने मंजूरी को उत्साहजनक बताया और कहा कि कंपनी अब भारत में टीके को अंतिम मंजूरी मिलने का इंतजार करेगी। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 133.14 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 47,746.22 अंक की रिकार्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह एक समय अब तक के सर्वोच्च स्तर 47,807.85 अंक तक चला गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 49.35 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की बढ़त के साथ रिकार्ड 13,981.95 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 13,997 के उच्चतम स्तर तक चला गया था। सेंसेक्स के शेयरों में अल्ट्राटेक सीमेंट में 4.11 प्रतिशत से अधिक की मजबूती आयी। इसके अलावा बजाज फाइनेंस में 2.63 प्रतिशत और मारुति में

2.11 प्रतिशत की तेजी रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, एचयूएल, कोटक बैंक, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एशियन पेंट्स भी बढ़त में रहे। दूसरी तरफ, जिन शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और इन्फोसिस शामिल हैं। इनमें 1.62 प्रतिशत तक की गिरावट आयी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका कोविड टीके को मंजूरी मिलने की उम्मीद से घरेलू धारणा मजबूत बनी हुई है। वाहन, रीयल्टी और धातु जैसे वृद्धि वाले क्षेत्रों की अगुवाई में तेजी आयी। जबकि दवा जैसे सुरक्षित माने वाले क्षेत्र दबाव में बने हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि बाजार काफी ऊपर चढ़ चुका है, लेकिन एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) लगातार पूंजी लगा रहे हैं। इसका असर बाजार पर सकारात्मक पड़ रहा है।'' एस्ट्राजेनका और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा विकसित कोविड-19 टीके को ब्रिटेन में मंजूरी से यूरोपीय शेयर बाजारों में शुरूआती करोबार में तेजी रही। इस टीके का रखरखाव आसान है और इसका विकास करने वाली कंपनियों को उम्मीद है कि यह 'टीका दुनिया के लिये' होगा। एशिया के अन्य बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। जापान का तोक्यो और आस्ट्रेलिया में सिडनी बाजारों में गिरावट रही जबकि हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और शंघाई का कंपोजिट सूचकांक में तेजी आयी। इस बीच, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बुधवार को 11 पैसे मजबूत होकर 73.31 पर बंद हुआ। यह लगातार पांचवां कारोबारी सत्र है, जब रुपया मजबूत हुआ है। उधर, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.80 प्रतिशत मजबूत होकर 51.50 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की घरेलू पूंजी बाजार में लिवाली बनी हुई है। शेयर बाजार के पास उपलब्ध अस्थायी आंकड़े के अनुसार उन्होंने मंगलवार को शुद्ध रूप से 2,349.53 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

सीबीआई और ईडी की माल्या, नीरव के प्रत्यर्पण की लड़ाई जारी

नई दिल्ली।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हाल के दिनों में कई हाई-प्रोफाइल मामलों को देख रही है। इसके साथ ही दोनों केंद्रीय एजेंसियां अभी भी किंगफिशर एयरलाइंस के संस्थापक विजय माल्या और भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। सीबीआई और ईडी ने कई मामलों में प्रगति की है, जिनमें आईसीआईसीआई-विडियोकॉन ऋण मामले में पूर्व बैंक चैयरपर्सन और प्रबंध निदेशक चंदा कोचर और यस बैंक घोटाला मामले में इसके संस्थापक राणा कपूर शामिल हैं। इसके साथ ही 3,600 करोड़ रुपये के वीवीआईपी अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर मामले में आरोप पत्र (चार्जशीट) दायर किया गया है। वहीं कॉर्पोरेट लॉबीस्ट दीपक तलवार और 2013 के रेलवे रिश्वत घोटाले में कथित तौर पर रेल मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पवन बंसल के भांजे विजय सिंगला के खिलाफ भी नई चार्जशीट दायर की गई है। सीबीआई और ईडी माल्या के प्रत्यर्पण के लिए ब्रिटेन में कानूनी लड़ाई लड़ रही है और केंद्रीय एजेंसियों को पूरा भरोसा है कि वह भगोड़े कारोबारी का भारत में प्रत्यपर्ण सुनिश्चित करेगी। माल्या, जो 9,000 करोड़ रुपये के ऋण मामले में भारत में वांछित (वॉन्टेड) है, वो ब्रिटेन में रह रहा है। उसने ब्रिटेन के हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जिसने 20 अप्रैल को प्रत्यर्पण के खिलाफ उसकी अपील खारिज कर दी।

इस वर्ष की शुरूआत में गृह मंत्रालय (एमएचए) ने एक हलफनामे में भारत के सर्वोच्च न्यायालय को सूचित किया कि माल्या की अपील पर इनकार किए जाने के बाद, भारत में उसका प्रत्यर्पण सैद्धांतिक रूप से 28 दिनों के भीतर पूरा हो जाना चाहिए। हालांकि ब्रिटेन के गृह मामलों के कार्यालय ने कहा कि इसमें एक कानूनी मुद्दा शामिल है, जिसे प्रत्यर्पण होने से पहले हल करने की आवश्यकता है। हलफनामे में कहा गया है, ब्रिटेन पक्ष ने कहा कि यह मुद्दा बाहरी है और प्रत्यर्पण प्रक्रिया से अलग है, लेकिन इसका प्रभाव यह है कि यूनाइटेड किंगडम कानून के तहत, प्रत्यर्पण तब तक नहीं हो सकता, जब तक कि इसे हल नहीं किया जाता। एमएचए ने कहा कि ब्रिटेन ने यह सूचित किया है कि यह एक अलग तरह का कानूनी मुद्दा है, जो कि न्यायिक और गोपनीय है। इसके अलावा केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या के प्रत्यर्पण का मामला समाप्त हो चुका है, लेकिन ब्रिटेन में इस मामले में कुछ गोपनीय कार्यवाही चल रही है, जिसकी जानकारी भारत को भी नहीं दी गई है। केंद्र ने कहा कि भारत को माल्या के प्रत्यर्पण में देरी की जा रही है। 31 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने 2017 के फैसले की समीक्षा की मांग वाली माल्या की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसने उन्हें अदालत की अवमानना के लिए दोषी ठहराया था। शीर्ष अदालत ने पांच अक्टूबर को अदालत के समक्ष माल्या को उपस्थित होने का निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत ने माल्या को अवमानना का दोषी माना था, क्योंकि शराब कारोबारी ने अपनी संपत्ति का पूरा हिसाब नहीं दिया था। न्यायाधीश यू.यू. ललित और अशोक भूषण की पीठ ने पुनर्विचार याचिका को खारिज करते हुए कहा कि मामले में फिर से सुनवाई की अनुमति नहीं दी जा सकती है। विजय माल्या बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस के लिए बैंकों से लिए नौ हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के कर्ज की अदायगी नहीं करने के मामले में आरोपी है। इस समय वह ब्रिटेन में रह रहा है, जिसके प्रत्यर्पण के लिए सरकार कोशिश कर रही है। शराब कारोबारी ब्रिटेन में दो मार्च 2016 को भारत छोड़कर भाग गया था। माल्या ऐसा पहला व्यक्ति है, जिस पर भारत में नए भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। हालांकि, भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी के मामले में एजेंसियों को अधिक उम्मीद है, क्योंकि नवंबर 2020 में ब्रिटेन की अदालत ने भारत सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया है। भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव को एक बड़े झटके का सामना करना पड़ा, क्योंकि ब्रिटिश अदालत ने नीरव के खिलाफ सबूत स्वीकार कर भारतीय पक्ष में फैसला सुनाया है। इसके साथ ही नीरव के भारत प्रत्यर्पण की संभावनाएं बढ़ गई हैं। नीरव मोदी अनुमानित 13,500 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी घोटाले के मुकदमे का सामना करने के लिए भारत में वांछित है। 49 वर्षीय नीरव ने कोर्ट की कार्यवाही दक्षिण-पश्चिम लंदन के वैंड्सवर्थ जेल से वीडियो लिंक के जरिए देखी, जहां वह मार्च 2019 से बंद है। नीरव मोदी को एक दिसंबर तक रिमांड पर भेज दिया गया। दोनों पक्ष 7 और 8 जनवरी को अंतिम बहस करेंगे और 2021 में इसके कुछ हफ्ते बाद फैसला आने की उम्मीद है।

हर हफ्ते तय होंगे LPG गैस के रेट्स, सरकार ने कहा- पूरी तरह से गलत है ये दावा

बिजनेस डेस्क :

सोशल मीडिया पर एक खबर तेजी से वायरस हो रही थी, जिसमें दावा किया जा रहा था कि अब से हर हफ्ते गैस सिलेंडर के रेट्स में बदलाव होगा। अगर आपने भी इस तरह का कोई मैसेज देखा है तो उस पर विश्वास न करें क्योंकि ये पूरी तरह से फेक हैं। **PIB (PIB fact Check)** को जब इस बारे में जानकारी मिली तो सरकार की ओर से इस मैसेज की सच्चाई का पता लगाया गया, जिसमें पाया कि ये दावा पूरी तरह से फेक है।

खबर में कही ये बात

इसके अलावा इस खबर में कहा गया कि तेल कंपनियों के अधिकारियों की मानें तो कंपनियों को हो रहे घाटे को कम करने के लिए यह प्लान बनाया गया है। हर महीने समीक्षा के दौरान अगर रेट्स में कटौती होती थी तो कंपनियों को पूरे महीने नुकसान उठाना पड़ता था। वहीं, इस नई व्यवस्था के जरिए कंपनियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद की जा रही है।

PIB फैक्ट चेक ने दावे को बताया गलत

PIB फैक्ट चेक ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडिल पर इस बारे में जानकारी दी है। ट्वीट में लिखा है कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि तेल कंपनियां अब गैस सिलेंडर के दामों में प्रतिदिन या साप्ताहिक तौर पर बदलाव करने का विचार कर रही हैं।

आपको भी मिले कोई मैसेज तो करवा सकते हैं फैक्ट चेक

अगर आपको भी कोई ऐसा मैसेज मिलता है तो फिर उसको पीआईबी के पास फैक्ट चेक के लिए **https://factcheck.pib.gov.in/** अथवा वॉट्सऐप नंबर +918799711259 या ईमेलः **pibfactcheck@gmail.com** पर भेज सकते हैं। यह जानकारी पीआईबी की वेबसाइट **https://pib.gov.in** पर भी उपलब्ध है।

एप्पल ने कोविड के दौरान प्राइवेट पार्टियों को प्रमोट करने वाला ऐप हटाय

नई दिल्ली।

एप्पल ने एक आईफोन ऐप वाइब टुगेदर को हटा लिया है, जो कोविड-19 महामारी के दौरान निजी पार्टियों को बढ़ावा देता था। हालांकि, अब डिलीट हो चुके वाइब टुगेदर के 'एफएक्यू' पेज ने कहा था कि इसे 'बड़ी पार्टियों' के बजाय 'छोटी पार्टियों' को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया था। ऐप को टिकटॉक पर भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। ऐप के निर्माताओं ने द वर्ज को बताया कि वह एप्पल ही था जिसने इसे ऐप स्टोर से हटाया। ऐप ने एक टिकटॉक वीडियो में हर वीकेंड में पार्टी करने को बढ़ावा दिया - जिसमें आगामी नए साल की शाम की पार्टी शामिल है। द वाइब टुगेदर ऐप को हटाए जाने से पहले इसकी रेटिंग केवल 25 थी, और इसके इंस्टाग्राम पेज पर लगभग 1,000 फॉलोअर्स थे। इसके इंस्टाग्राम अकाउंट में अब एक टेक्स्ट पोस्ट है। जिसमें लिखा गया है, ÷हम बड़े पैमाने पर लोगों के जुटने को बढ़ावा नहीं देते।÷

गैलेक्सी एस21, एस21 प्लस में कुछ कम स्क्रीन रिजॉल्यूशन संभव

नई दिल्ली।

सैमसंग के बारे में कहा जा रहा है कि यह 14 जनवरी को अपने गैलेक्सी एस 21 सीरीज को लॉन्च कर सकता है और अब सामने आई एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एस 21 और एस 21 प्लस को कंपनी के प्रोसेसर्स के द्वारा इस्तेमाल किए गए 3200 गुना 1440 रेजॉल्यूशन के मुकाबले कुछ कम 2400 गुना 1080 स्क्रीन रेजॉल्यूशन के साथ पेश किया जाएगा। द वर्ज की रिपोर्ट के मुताबिक, 6.2 इंच के एस 21 की पिक्सल डेंसिटी 421पीपीआई होगा और 6.7 इंच के एस 21 प्लस के लिए पिक्सल डेंसिटी 394पीपीआई होगा। इनमें 120 हट्र्ज और 60 हट्र्ज का रिफ्रेश रेट होगा। सैमसंग एस 21 सीरीज के तहत तीन मॉडलों को लॉन्च करेगा - गैलेक्सी एस21 5जी, एस 21 प्लस 5जी और एस 21 अल्ट्रा 5जी। एस 21 में 6.2 इंच की डिस्प्ले होगी, प्लस में 6.7 इंच की डिस्प्ले होगी और अल्ट्रा में 6.8 इंच की डिस्प्ले दिए जाने की बात कही जा रही है।

गैस की बढ़ती कमी के बीच पाकिस्तान सबसे महंगे दाम पर एलएनजी खरीदेगा

इस्लामाबाद।

बढ़ते गैस संकट के बीच, पाकिस्तान फरवरी 2021 के लिए एक सर्वकालिक उच्च मूल्य पर लिक्विफाइड नैचुरल गैस (एलएनजी) खरीदेगा। पाकिस्तान एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल) ने निविदा खुलने और विज्ञापन के बीच 31 दिनों के अंतराल के 32.48 प्रतिशत पर ब्रेंट की ऊंचे दामों वाली बोली प्राप्त की है। एलएनजी आपूर्तिकर्ताओं को कराची के पोर्ट कासिम पर कम से कम दो एलएनजी आपूर्ति के लिए बोली लगाने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसने 15-16 फरवरी, 2021 के लिए दो एलएनजी कार्गो को बेहद ऊंची बोली और 23-24 फरवरी, 2021 को आपूर्तिकर्ताओं के लिए अत्यधिक ऊंची बोलियों को आकर्षित किया था। ।

बोलियों में, बो, सुकार ने 15-16 फरवरी के लिए ब्रेंट के 23.4331 प्रतिशत और 23-24 फरवरी के लिए ब्रेंट के 22.1142 प्रतिशत पर बोली लगाई, जबकि ट्रैफिगुरा ने 15-16 फरवरी के लिए ब्रेंट पर 32.4888 के दो स्लॉट के लिए बोलियों की पेशकश की और 23-24 फरवरी के लिए ब्रेंट पर कम से कम 25.9777 प्रतिशत की पेशकश की। इसके अलावा, ट्रैफिगुरा, जो पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) एलएनजी अनुबंध को पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पिछली सत्तारूढ़ सरकार के दौरान 3.7 डॉलर से 4.7 डॉलर के बीच एक निश्चित दर पर करने के लिए तैयार था, ने अब सबसे कम 32 फीसदी पर बोली लगाई है। एक अन्य कंपनी गुनवर ने फरवरी 15-16 और 23-24 फरवरी के लिए ब्रेंट की 25.5666 फीसदी और 23.5666 फीसदी पर बोली लगाई।

दिलचस्प बात यह है कि जनवरी के महीने के लिए, कतर पेट्रोलियम ने ब्रेंट की 17 प्रतिशत तक की सबसे कम बोली की पेशकश की थी, जिसने पाकिस्तान को उच्च कीमतों पर कार्गो खरीदने के लिए मजबूर कर दिया। इंडस्ट्रियल सेक्टर के एक सूत्र ने कहा, सरकार ने डीजल की कीमत से अधिक पर एलएनजी कीमतें प्राप्त कीं, क्योंकि एलएनजी कार्गो दुनिया भर में पहले से ही बुक हैं। अगर सरकार ने अगस्त-सितंबर 2020 में सर्दियों के लिए स्पॉट कार्गो के लिए बोली की व्यवस्था की होती, तो इसने बेहतर कीमतों को आकर्षित किया होता।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार दुर्घटना में बाल-बाल बचे पूर्व भारतीय कप्तान अजहरुद्दीन

जयपुर। पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन बुधवार को एक कार दुर्घटना में बाल-बाल बच गए। अजहरुद्दीन नया साल मनाने के लिए रणथंभौर आ रहे थे, तभी रास्ते में उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि रणथंभौर के होटल के पास सड़क किनारे उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार के अंदर बैठे लोग बच गए हैं। हालांकि होटल के एक कर्मचारी चोटें आई है और अजहरुद्दीन की कार भी दुर्घटनाग्रस्त हुई है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि पूर्व कप्तान अजहरुद्दीन अपने तीन दोस्तों के साथ यात्रा कर रहे थे, तभी सवाई माधोपुर आने के दौरान सूरवाल कसबा के नजदीक उनकी गाड़ी टायर फटने के कारण पलट गई। इससे सड़क किनारे लगे हुए एक ढाबे में कार जा घुसी। घायल व्यक्ति को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि अजहरुद्दीन और उनके दोस्तों को पास के एक होटल में शिफ्ट कराया गया है।

थाईलैंड में दो टूर्नामेंटों में सिंधू को आसान और साइना को कड़ा ड्रा

नयी दिल्ली

ओलंपिक रजत पदक विजेता पी वी सिंधू को थाइलैंड में होने वाले टूर्नामेंटों में आसान ड्रा मिला है लेकिन उन्हीं की तरह कोविड-19 महामारी के कारण लगभग 10 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में वापसी करने वाली साइना नेहवाल को कड़ा ड्रा मिला है। मार्च में आल इंग्लैंड चैंपियनशिप के बाद विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) को अपने कई टूर्नामेंट स्थगित या रद्द करने पड़े थे। उसने इसके बाद केवल दो टूर्नामेंट डेनमार्क ओपन और सारलोरलक्स ओपन का आयोजन किया था जिनमें सिंधू और साइना में से कोई नहीं खेला था। अब सभी खिलाड़ियों की निगाहें दो सुपर 1000 प्रतियोगिताओं योनेक्स थाईलैंड ओपन (12 से 17 जनवरी) और टोयोटा थाईलैंड ओपन (19 से 24 जनवरी) पर टिकी रहेंगी जिनमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी खेलेंगे। विश्व चैंपियन और छठी वरीयता प्राप्त सिंधू शुरुआती टूर्नामेंट के पहले दौर में डेनमार्क की मिया ब्लिचफील्ड से भिड़ेंगी जबकि हाल में कोविड-19 से उबरने वाली साइना को शुरू में ही जापान की नोजोमी ओकुहारा का सामना करना होगा। तोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुकी सिंधू अगले टूर्नामेंट के पहले दौर में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरंगफान से मुकाबला करेगी जबकि लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना को थाईलैंड की एक और स्टार और चौथी वरीयता प्राप्त रतचानोक इंतानोन की चुनौती से पार पाना होगा। बीडब्ल्यूएफ ने जो ड्रा जारी किये हैं उनके अनुसार 25 वर्षीय सिंधू को दोनों टूर्नामेंटों में छठी वरीयता दी गयी है। सिंधू पिछले दो महीने से लंदन में अभ्यास कर रही हैं। पुरुष एकल में कुल सात खिलाड़ी भाग लेंगे जिनमें विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत, ओलंपिक में जगह बना चुके बी साई प्रणीत और युवा लक्ष्य सेन भी शामिल हैं। अक्टूबर में डेनमार्क ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले श्रीकांत पहले टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में हमवतन सौरभ वर्मा से जबकि लक्ष्य डेनमार्क के रासमस गेमके से भिड़ेंगे। प्रणीत का सामना स्थानीय

खिलाड़ी कांताफोन वांगचारोन से होगा। एच एस प्रणय का सामना मलेशिया के आठवें वरीय ली जी जिया, पारूपल्ली कश्यप का जापान के केंटा निशिमोतो और समीर वर्मा का इंडोनेशिया के शेसार हीरेन रूस्तावितो से होगा। श्रीकांत दूसरे टूर्नामेंट के पहले दौर में स्थानीय खिलाड़ी सिट्टीकोम थम्मासिम से और प्रणीत मलेशिया के डेरेन लियु से भिड़ेंगे लेकिन लक्ष्य को चीनी ताइपै के दूसरे वरीय चो टियेन चेन की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। अन्य खिलाड़ियों में कश्यप का सामना गेमके से, प्रणय का छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोनाथन क्रिस्टी से जबकि वर्मा बंधुओं समीर और सौरभ का क्रमशः आठवें वरीय जी जिया और इंडोनेशिया के पांचवें वरीय एंथनी सिनिसुका से होगा। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पहले टूर्नामेंट में कोरिया के किम गी जुंग और ली योंग दे खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे जबकि दूसरी प्रतियोगिता में उनका सामना हमवतन मनु अत्री और बी सुमित रेड्डी से होगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में महाराष्ट्र की कमान संभालेंगे राहुल त्रिपाठी, इन दिग्गजों से भरी है टीम

पुणे।

आक्रामक बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप में महाराष्ट्र की 20 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगे। इस टी20 टूर्नामेंट के साथ अगले महीने 2020-21 घरेलू सत्र की शुरुआत होगी। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति के जरिए टीम की घोषणा की।

त्रिपाठी के अलावा भारतीय आलराउंडर केदार जाधव और इस साल इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से प्रभावी प्रदर्शन करने वाले रुतुराज गायकवाड़ को भी टीम में जगह मिली है। महाराष्ट्र को एलीट ग्रुप सी में गुजरात, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, बड़ौदा और उत्तराखंड के साथ रखा गया है। इस ग्रुप के सभी लीग मैच वडोदरा में होंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 10 जनवरी से होगी।

टीम इस प्रकार है:

राहुल त्रिपाठी (कप्तान), रुतुराज गायवड़, नौशाद शेख, केदार जाधव, रणजीत निकम, अजीम काजी, निखिल नाईक, विशांत मोरे, सत्यजीत बचाव, तरणजीत सिंह ढिल्लों, एस काजी, प्रदीप डाधे, मुकेश चौधरी, मनोज इनग्ले, दिव्यांग हिनगांकर, राजवर्धन हंगारगेकर, जगदीश जोप, स्वप्निल गुगाले, धनराज परदेसी और सन्नी पंडित।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा- मैं अभी और खेलना चाहता हूं

तूरिन। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो फरवरी में 36 साल के हो जाएंगे लेकिन उनका संन्यास लेने या मैचों की संख्या कम करने का कोई इरादा नहीं है। युवेंटस और पुर्तगाल के इस स्टार ने एक साक्षात्कार में कहा, 'मैं अब भी बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं फुर्तीला हूं और अपनी जिंदगी के अच्छे दौर में हूं। उन्होंने कहा, 'मुझे अधिक से अधिक वर्षों तक खेलने की उम्मीद है लेकिन भविष्य के गर्त में क्या छिपा है कोई नहीं जानता। इस स्टार स्ट्राइकर को अभी युवेंटस के साथ एक और सत्र बिताना है। उनका अनुबंध 2022 में समाप्त होगा और वह तब भी संन्यास पर विचार नहीं करेंगे। रोनाल्डो ने कहा,'अगर आप खेलने के लिये प्रेरित महसूस करते हैं तो यह मायने नहीं रखता। क्रिस्टियानो अब अच्छा है। उन्होंने कहा, 'जब मैं युवाओं से बात करता हूं तो उन्हें यही सलाह देता हूं कि अभी इस पल का पूरा आनंद लो क्योंकि हम नहीं जानते कि कल क्या होगा। आपके साथ, आपके परिवार के साथ कुछ भी हो सकता है।

चेन्नईयिन से ड्रा खेलकर शीर्ष पर पहुंचा एटीके मोहन बागान

बामबोलिम।

एटीके मोहन बागान (एटीकेएमबी) ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में मंगलवार को चेन्नईयिन एफसी के साथ गोलरहित ड्रा खेलकर अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। एटीकेएमबी का यह आठवां मैच था। उसके अब तक पांच जीत, दो ड्रा और एक हार के साथ कुल 17 अंक हैं। वह अब मुम्बई सिटी एफसी (16 अंक) से आगे निकल गया है जो अब तक बेहतर गोल अंतर के कारण पहले स्थान पर था। दूसरी तरफ 2 बार का चैम्पियन चेन्नई आठ मुकाबलों से 10 अंक लेकर सातवें स्थान पर है। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच अच्छा मुकाबला हुआ। चेन्नई ने पांचवें मिनट में ही एक जोरदार हमला बोला लेकिन एटीकेएमबी के गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य सावधान थे। अरिंदम ने रफाएल क्रिवेलारो के प्रयास को नाकाम कर दिया। हालांकि इसके तीन मिनट बाद चेन्नई ने एक बार फिर हमला बोला। इस हमले के केंद्र में एक बार क्रिवेलारो और लालियानजुआला चांग्ते थे। क्रिवेलारो के पास पर हालांकि चांग्ते सही निशाना नहीं लगा सके। एटीकेएमबी ने 11वें मिनट में हमला किया। इदु गार्सिया ने अच्छी फ्री किक ली, जिसे लपकने के लिए राय कृष्णा तैयार खड़े थे

लेकिन एली साबिया ने हेडर के जरिए उसे दिशाहीन कर दिया। इसके बाद अगले कुछ मिनट तक दोनों टीमों के बीच गेंद पर कब्जा बनाए रखने के लिए अच्छा संघर्ष चला लेकिन इस दौरान बड़ा मौका कोई नहीं बन सका।

दूसरे हाफ की शुरुआत चेन्नई द्वारा किए गए एक जोरदार हमले के साथ हुई। 50वें मिनट में हुए इस हमले को एटीकेएमबी के गोलकीपर अरिंदम ने नाकाम कर दिया।

अरिंदम ने 56वें मिनट में चेन्नई के एक और हमले को नाकाम किया। इसके बाद भी दोनों टीमों ने गोल करने के प्रयास किये लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज मार्क बाउचर ने कहा- कोरोना ने गेंदबाजों का जीवन प्रभावित किया

जोहानसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कोच माक बाउचर ने दक्षिण अफ्रीका की श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में एक पारी और 45 रन से जीत के बाद सोमवार को कहा कि कोरोना वायरस ने बल्लेबाजों से ज्यादा गेंदबाजों के जीवन को ज्यादा प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों के लिए अपनी फिटनेस पर काम करना आसान है और वे कई अन्य प्रकार के व्यायाम कर सकते हैं, लेकिन लगातार 20 ओवर फेंकना मुश्किल है।गेंदबाजों को खेल की स्थिति में ढलने की कोशिश करनी होगी, क्योंकि उन्हें सुबह 10 ओवर फेंकने के बाद फिर दोपहर में भी 10 ओवर फेंकने पड़ सकते हैं। गेंदबाजों से केवल यह अपेक्षा नहीं की जा सकती है कि सिर्फ छह ओवर फेंकने ही होंगे और सोचेंगे कि वे टेस्ट मैच के लिए तैयार हैं। आप एक गेंदबाज को सिर्फ 20 ओवर तक गेंदबाजी करने के लिए नहीं कह सकते। भले ही वह और उनके कोच रह चुके मिकी आर्थर (श्रीलंका क्रिकेट टीम के कोच) अब विपक्षी खेमें में हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे अब दोस्त नहीं हैं। मैं मिकी के साथ एक कोक साझा करूंगा और उनसे कुछ सीखूंगा।

दूसरे टेस्ट के लिए हेंड्रिक्स दक्षिण अफ्रीकी टीम में

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए बेयुरान हैंड्रिक्स को टीम में शामिल किया है। साथ ही मिग्युएल प्रीटोरियस को टीम से रिलीज कर दिया है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक प्रीटोरियस को टीम से रिलीज करने का कारण तेज गेंदबाज को दाएं कंधे में लगी चोट थी। 25 साल का यह गेंदबाज अब बायो सिक्योर बबल छोड़कर अपनी फेंचाइजी से जुड़ेगा। श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका वंडर्स स्टेडियम में तीन से सात जनवरी के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेलेंगी। हेंड्रिक्स ने अभी तक सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला है वो भी इसी साल जनवरी में इसी मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ। वह दूसरे टेस्ट मैच से पहले टीम के साथ अभ्यास करना शुरू करेंगे। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने एक बयान में कहा कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को कोविड-19 संबंधी सभी नियमों और बायो सिक्योर बबल में शामिल होने के सभी प्रोटोकॉल्स के पूरा करने के बाद टीम के साथ जोड़ा जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका ने पहले मैच में श्रीलंका को पारी और 45 रनों से हरा सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है।

टोक्यो ओलंपिक में विजेंदर की उपलब्धि दोहराएंगे स्टार मुक्केबाज विकास कृष्ण

जयपुर।

स्टार मुक्केबाज विकास कृष्ण यादव अपने जीवन के तीसरे ओलंपिक में भाग लेने के लिए पूरी तरह तैयार है जो कुछ ही महीनो में टोक्यो में आयोजित होने वाले हैं। वह ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय पुरूष मुक्केबाज बनेंगे। उनसे पहले यह उपलब्धि विजेंदर सिंह के पास है, जिन्होंने 2008 के बीजिंग ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। अपने कोच रोनाल्ड सिम्स के साथ अमेरिका में पिछले कुछ महीनों से प्रशिक्षण ले रहे अनुभवी भारतीय मुक्केबाज अब अपने देश में वापस आ गए हैं और अपनी यात्रा पर चर्चा करने के लिए स्पोर्ट्स टाइगर के शो बिल्डिंग ब्रिज से जुड़े। उनका लक्ष्य अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करना, ओलम्पिक में पदक जीतना और मुक्केबाजी में अपना योगदान देना है। ओलंपिक खेलों में भाग लेने जा रहे 28 वर्षीय खिलाड़ी का मानना है कि यह उनके लिए भाग्यशाली होगा कि वह तीसरी बार ओलंपिक में भाग ले रहे हैं और वह ओलंपिक क्वालीफिकेशन अभियान में सफलता प्राप्त करने के बाद देश के लिए स्वर्ण पदक प्राप्त करना चाहते है। उन्होंने कहा, ''मेरा उद्देश्य इस बार देश के लिए स्वर्ण पदक जीतना है। मैंने दो बार देश का प्रतिनिधित्व किया है लेकिन अब स्वर्ण पदक को हथियाने का समय आ गया है। उन्होंने यह भी कहा, 'मैं दुनिया को दिखाने जा रहा हूं कि मुक्केबाजी एक कला है। विकास से जब शो में भारतीय

दल पर उनके विचारों के बारे में भी पूछा गया तब उन्होंने कहा, 'हमें काफी मजबूत टीम मिली है, हमारी टीम में अमित पंघल और मनीष कौशिक जैसे खिलाड़ी हैं जो विश्व चैंपियनशिप में पदक जीत चुके हैं। ये खिलाड़ी दुनिया के किसी भी खिलाड़ी को हराने में सक्षम हैं। इनके अलावा हमारे पास सतीश कुमार हैं जो बहुत अधिक अनुभवी हैं और हमारे पास आशीष चौधरी हैं और हमारे पास काफी अच्छे लोगों की टीम है, हमारी टीम काफी मजबूत है। हमारे दल में युवाओं और अनुभवी खिलाड़ियों दोनों का संयोजन है। हम ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

पाक को हराकर विलियमसन ने कहा- वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बड़ा प्रलोभन

माउंट मोनगानुई। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने बुधवार को पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत के बाद कहा कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में जगह बनाना बड़ा प्रलोभन है जिससे टीमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हो रही हैं। पाकिस्तान ने मैच को ड्रा कराने के लिये कड़ा संघर्ष किया लेकिन 31 रन के अंदर छह विकेट गंवाने से पहला टेस्ट 101 रन से हार गया। न्यूजीलैंड डब्ल्यूटीसी तालिका में तीसरे नंबर पर है जबकि शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें फाइनल में जगह बनाएंगी। विलियमसन ने मैच के बाद कहा, 'निश्चित तौर पर हम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में खेलना चाहते हैं और हमने आज अंतिम सत्र में इसको अच्छी तरह से समझा जब यह प्रलोभन हमारे दिमाग में था। उन्होंने कहा, 'लेकिन टेस्ट में आप जानते हैं कि आपको सत्र दर सत्र आगे बढ़ना होता है और आपको इस तरह से खेलना होता है। हमने पारी समाप्त घोषित की और अगर विकेट खराब नहीं होता है तो ऐसे में उनके पास मौका होता। उनके पास सकारात्मक सोच के साथ खेलने वाले कुछ खिलाड़ी क्रीज पर थे और कुछ को अभी खेलना था। विलियमसन ने कहा, 'आप खुद को मैच जीतने का अवसर देते हैं लेकिन आप मैच हार भी सकते हैं। अंतिम सत्र में तीनों परिणामों में से कुछ भी निकल सकता था।

एटलेटिको मेड्रिड ने कोस्टा के अनुबंध को रद्द किया

मेड्रिड। स्पेनिश लीग ला लीगा की अंकतालिका में टॉप पर चल रही एटलेटिको मेड्रिड ने स्पेन के स्ट्राइकर डिएगो कोस्ट के अनुबंध को रद्द करने का फैसला किया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, 32 साल के कोस्टा का अनुबंधन जून 2021 में समाप्त होने वाला था, लेकिन कोस्टा क्लब छोड़ना चाहते हैं और एटलेटिको मेड्रिड उनके करार को रद्द करने पर सहमत हो गया है। कोस्टा ने अक्टूबर के बाद से अब तक एटलेटिको मेड्रिड के लिए केवल तीन ही मैच खेले हैं और इन सभी मैचों में वह बतौर सबस्टीयूट खेले हैं। उन्होंने इस सीजन में एटलेटिको मेड्रिड के लिए तीन गोल किए हैं। एटलेटिको मेड्रिड ने एक बयान में कहा, कोस्टा कई दिनों से क्लब छोड़ने का पूछ रहे हैं और निजी कारणों से वह जाना चाहते हैं और मौजूदा करार में से उन्होंने रिलीज पर हस्ताक्षर किया। क्लब कोस्टा को धन्यवाद देता है। कोस्टा इससे पहले, चेल्सी का हिस्सा थे, जहां उन्होंने 120 मैचों में 59 गोल किए थे। लेकिन चेल्सी के मैनेजर एंटोनियो कोंटे ने उन्हें एक संदेश भेजकर कहा था कि वह सीजन के बाद वह उनकी टीम का हिस्सा नहीं होंगे। बाद में कोस्टा ने चेल्सी में लौटने से मना कर दिया था।

जनवरी में अर्जेंटीना दौरे के साथ होगी भारतीय महिला हॉकी की बहाली

नई दिल्ली।

भारतीय महिला हॉकी टीम अगले सप्ताह शुरू हो रहे अर्जेंटीना दौरे के साथ कोरोना महामारी के बीच करीब एक साल बाद मैदान पर लौटेगी और ओलंपिक की तैयारियां बहाल करेगी। भारतीय टीम के 25 खिलाड़ियों और सात सहयोगी स्टाफ का कोर समूह तीन जनवरी को दिल्ली से रवाना होगा। भारतीय टीम 17 जनवरी से मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ आठ मैच खेलेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, 'तोक्यो ओलंपिक के लिए जुलाई 2021 में खेलगांव पहुंचने में अब 200 दिन के करीब समय रह गया है। अर्जेंटीना जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ खेलकर तैयारी करना जरूरी है।' उन्होंने कहा, 'हमारी टीम इस मौके से काफी रोमांचित हैं। इससे हमें पता चलेगा कि बेंगलुरू में पांच महीने के राष्ट्रीय शिविर के बाद हम किस स्थिति में हैं।' भारतीय महिला टीम ने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच इस साल जनवरी में न्यूजीलैंड में खेला था। भारत ने न्यूजीलैंड और ब्रिटेन के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में तीन मैच जीते थे। भारत के कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'मैं खुश हूं कि एक साल बाद हम अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने जा रहे हैं। इससे हमें पता चल जाएगा कि तोक्यो ओलंपिक की तैयारियों के लिये अगला कदम क्या होगा।' हॉकी इंडिया और मेजबान हॉकी संघ ने दोनों टीमों के लिये बायो बबल तैयार किया है। भारतीय महिला टीम ऐसे होटल में रहेगी जहां हर बार भोजन, टीम बैठकों और सत्रों के लिये अलग अलग कमरे या हॉल रहेंगे। एक कमरे में दो लोग रहेंगे और पूरे दौरे पर वे ही दोनों लोग कमरा साझा करेंगे। टीम कोच और बसों में भी बैठने की व्यवस्था काफी सोच समझकर सावधानी से की गई है। टीम के खिलाड़ी बायो बबल से बाहर नहीं निकलेंगे और किसी तीसरे पक्ष से नहीं मिलेंगे। पूरी भारतीय टीम का रवानगी से 72

घंटे पहले कोरोना आरटी पीसीआर टेस्ट होगा। अर्जेंटीना में पृथकवास में रहने की जरूरत नहीं है लेकिन टीम सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी भारत और अर्जेंटीना सरकार के सारे प्रोटोकॉल का पालन करेगी।

दक्षिण अफ्रीका में नए लॉकडाउन नियम का असर श्रीलंका सीरीज पर नहीं

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण सरकार ने लेवल एक से लेवल तीन पर जाने का फैसला किया है और लॉकडाउन के नियमों को पहले से ज्यादा सख्त कर दिया है, लेकिन क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा कि इसका असर श्रीलंका के साथ जारी टेस्ट सीरीज पर नहीं पड़ेगा। नियमों के मुताबिक वह देश दक्षिण अफ्रीका में आकर अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में हिस्सा ले सकता है, जहां वायरस का प्रकोप कम हो और सभी मैच खाली स्टेडियम में बिना दर्शकों के खेले जाएंगे। क्रिकइंफो ने अपनी रिपोर्ट में नियम 36 (17) का जिक्र किया है जिसके मुताबिक, मैच वाले वेन्यू पर सिर्फ पत्रकार, रेडियो, टेलीविजन क्रू, सुरक्षा अधिकारी, आपातकालीन स्वास्थ सेवा, वेन्यू द्वारा रखे गए कर्मचारी को मैदान पर आने की मंजूरी होगी। इसके अलावा खिलाड़ी मैच अधिकारी, सपोर्ट स्टाफ और मेडिकल क्रू को मैच के दिन मैदान पर रहने की अनुमति होगी। क्रिकइंफो ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि सीएसए ने इस बात की पुष्टि की है कि नए नियमों का सीरीज पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। दक्षिण अफ्रीका श्रीलंका के साथ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में हिस्सा ले रही है। पहले मैच में उसने पारी और 45 रनों से जीत दर्ज की। दोनों टीमों के बीच दूसरा मैच तीन जनवरी से सात जनवरी के बीच जोहन्सबर्ग में खेला जाएगा।

2020 की सबसे बड़ी जंग सोशल मीडिया पर कंगना रनौत और दिलजीत दोसांझ के बीच लड़ी गयी

चाहे वह वर्तमान में चल रहे किसानों आंदोलन का मुद्दा हो या सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु के बाद भाई-भतीजावाद की बहस, कंगना रनौत की हर बात पर अपनी एक राय सोशल मीडिया पर रखी है जिसपर उनके फैंस ने उन्हें पूरी तरह से सपोर्ट भी किया है। हाल ही में कंगना रनौत ने किसान आंदोलन में बैठी एक बुजुर्ग सिख महिला के बारे में गलत पहचान का ट्वीट कर दिया जिसकी वजह से उन्हें सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल किया गया। कंगना जिस तरह से बॉलावुड की काली दुनिया का भांडा फोड़ रही थी उससे काफी लोग उनसे नाराज थे लेकिन वह खुल कर बोल नहीं पा रहे थे। ऐसे में उन्हें कंगना की एक गलती की तलाश थी। जैसे ही कंगना ने सोशल मीडिया पर एक बुजुर्ग आंदोलनकारी महिला की गलत पहचान करते हुए उन्हें शाहीन बाग वाली दादी कहा, तमाम मुद्दों पर मुंह बंद किए बैठे लोगों ने कंगना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

तमाम पंजाबी सितारों ने कंगना को ट्रोल किया। इसी बीच कंगना के दादी वाले बयान पर गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ भी भड़क गये। उन्होंने कंगना रनौत से ट्विटर पर पंजाबी में खूब बहस की कंगना विरोधियों को दिलजीत का अंदाज काफी पसंद आया और उन्होंने सोशल मीडिया पर कई दिनों तक दिलजीत बनाम कंगना का हैशटैग ट्रेंड करवाया। कंगना रनौत और दिलजीत की सोशल मीडिया पर हुई ये जंग साल 2020 की सबसे बड़ी जंग बन गयी। इसकी शुरुआत कंगना ने एक बुजुर्ग सिख महिला के बारे में गलत जानकारी साझा करने के साथ की, जो वहां चल रहे किसान प्रोटेस्ट की प्रतिभागी थी। अपने ट्वीट में, उन्होंने कहा कि बुजुर्ग महिला 100 रुपये की राशि अर्जित करने के लिए विरोध कर रही थी। अभिनेत्री ने यह भी दावा किया कि वही महिला शाहीन बाग दादी, बिलकिस बानो थी। जानकारी के गलत होने के बाद कंगना ने ये ट्वीट तुरंत डिलीट कर दिया था।

बाद में कंगना ने ट्वीट को डिलीट कर दिया, लेकिन इससे पहले ही दिलजीत दोसांझ सहित कई हस्तियां नाराज हो गई थीं, जिन्होंने किसानों के विरोध का खुलकर समर्थन किया है। दिलजीत ने कंगना को सही करने के लिए इसे अपने ऊपर ले लिया, जिसके कारण दोनों के बीच एक बड़ा ट्विटर विवाद हुआ।

अपनी एक्टिंग देखकर डर गये थे सलमान, सूरज बड़जात्या से कहा था मुझे 'मैंने प्यार किया' से निकाल दो

सलमान खान आज बॉलावुड का चमकता सितारा है। बॉलीवुड में वर्तमान समय में सलमान खान को सुल्तान कहा जाता है। दुनियाभर में सलमान खान को चाहने वाले हैं। एक समय था जब सलमान खान अपनी एक्टिंग देख कर इतना डर गये थे कि उन्होंने निर्देशक को फिल्म करने से ही मना कर दिया था। बात काफी पुरानी है जब सलमान खान ने बॉलीवुड में एंट्री की थी। सलमान खान की पहली फिल्म बीवी हो तो ऐसी रिलीज के लिए तैयार थी। इससे पहले ही सलमान खान ने सूरज बड़जात्या की फिल्म %मैंने प्यार किया% के लिए ऑडिशन दिया था। सलमान खान को बिलकुल भी उम्मीद नहीं थी कि उन्हें फिल्म के लिए चुना जाएगा।

सलमान खान ये जानते थे कि सूरज बड़जात्या को अपनी नयी फिल्म के लिए एक नये चेहरे की तलाश है। सलमान खान पहले ही फिल्म बीवी हो तो ऐसी में काम कर चुके हैं। एक दिन सूरज बड़जात्या ने सलमान खान को फोन किया और कहा कि उन्हें फिल्म के लिए चुना गया है। सलमान खान काफी खुश और हैरान भी हुए।

इस खुशखबरी के बाद सलमान खान के लिए दूसरी खुशखबरी ये थी कि उनकी पहली फिल्म बीवी हो तो ऐसी भी बॉक्स ऑफिल पर रिलीज होने वाली थी। फिल्म की रिलीज से पहले सलमान खान ने फिल्म का प्रीव्यू देखा। फिल्म का प्रीव्यू देखकर वह काफी ज्यादा अपसेट हो गये। सलमान खान को फिल्म में अपनी एक्टिंग काफी ज्यादा बुरी लगी और उन्हें लगा कि वह एक्टिंग के लिए अभी तैयार नहीं है। उन्होंने सूरज बड़जात्या से मुलाकात की और कहा कि मुझे आपइस फिल्म से हटा दीजिए।

सलमान खान ने सोच लिया था कि वह इस फिल्म को नहीं करेंगे वह सूरज बड़जात्या का पैसा खराब नहीं करेंगे। सूरज बड़जात्या से बात करने के बाद सलमान खान चले गये। सूरज बड़जात्या ने एक बार फिर सलमान खान को कॉल किया और कहा कि वह पहली फिल्म बीवी हो तो ऐसा का प्रीव्यू देखना चाहते हैं। प्रीव्यू देखने के बाद सूरज बड़जात्या ने सलमान खान से कहा कि वह अपने फैसले पर कायम है। मैंने प्यार क्यों किया में सलमान ही लीड रोल में होंगे।

इसके बाद सलमान खान नें फिल्म में काम किया और फिल्म सुपरहिट हुई। फिल्म ने काफी अच्छी कमाई की। आज सलमान बॉलीवुड पर राज कर रहे हैं।

शादी के बंधन में बंधने के लिए जयपुर पहुंचे आलिया भट्ट और रणबीर कपूर?

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और रणबीर कपूर लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों की शादी इसी साल 2020 में होने वाली थी लेकिन रणबीर के पिता ऋषि कपूर के निधन के बाद दोनों की शादी अनिश्चित काल के लिए टाल दी गयी। कैंसल हुई शादी को लेकर अनुमान था कि शादी दिसंबर में हो सकती हैं लेकिन दोनों के परिवार की तरफ से कोई बयान जारी नहीं किया गया।

अब मुंबई एयरपोर्ट पर रणबीर कपूर के साथ उनकी मां नीतू सिंह और आलिया भट्ट को स्पॉट किया गया। मीडिया के कैमरों में दोनों की तस्वीरें कैद हो गयी। दोनों को साथ एयरपोर्ट पर देख कर लोगों ने अनुमान लगाया की दोनों साथ में न्यू ईयर सेलेब्रेट करने के लिए निकले हैं लेकिन अब खबरें ऐसी आयी है कि रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को जयपुर में भी स्पॉट किया है।

जयपुर में साथ देखें जानें के बाद सोशल मीडिया पर यह खबरें वायरल हो रही हैं कि रणबीर कपूर और आलिया भट्ट शादी के लिए जयपुर गये हैं। सोशल मीडिया पर फैंस काफी तरह की चीजें लिख रहे हैं। अब यह खबरें कितनी सच हैं इसके बारे में भी हम आपको बताते हैं।

बॉलीवुड कपल अलिया-रणबीर की शादी को लेकर अभी तक कोई भी जानकारी परिवार व पीआर की तरफ से जारी नहीं की गयी है। हाल ही में एक सोशल मीडिया लाइव में आलिया भट्ट ने साफ कहा था कि वह अभी केवल 25 साल की है ऐसे में अभी उनकी शादी की उम्र नहीं हैं। रणबीर कपूर एक बड़े सेलेब्रिटी है ऐसे में चोरी-चुपे शादी करने वाली कोई बात नहीं है। उनके फैंस को दोनों के शादी के बंधन में बंधने का इंतजार है। उम्मीद है कि वह अपनी शादी की खबरें अपने फैंस के साथ जरुर शेयर करेंगे।

शो 'विघ्नहर्ता गणेश' में मनसादेवी का किरदार निभाते हुए इशिता ने सिखा जिंदगी का एक महत्वपूर्ण सबक

जिंदगी के सफर में एक इंसान बहुत-सी बातों का अनुभव करता है, लेकिन एक बात हमेशा कही जाती है कि अच्छा या बुरा वक्त गुजर ही जाता है और हमें सिर्फ मजबूत बने रहने चाहिए। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो 'विघ्नहर्ता गणेश' में मनसादेवी का रोल निभा रहीं इशिता ने भी इस शो में काम करते हुए जिंदगी का एक बड़ा महत्वपूर्ण सबक सीखा है कि आपको कभी हार नहीं मानना चाहिए और अपने रास्ते में आने वाली हर मुश्किलों का डटकर सामना करना चाहिए।

इस शो में इस समय भगवान गणेश की सलाह पर मनसा सीधे चंद्रधर की मदद करने का फैसला करती हैं। लेकिन मनसा के द्वारा जीवन बचाए जाने के बावजूद चंद्रधर अपनी अंधश्रद्धा के चलते मनसा की हर पहल की अनदेखी करता है। वो अपना जीवन बचाने का श्रेय शिव को देता है। ऐसे में अब मनसा क्या करेगी?

इस ट्रैक के दौरान यह दिखाया गया है कि इशिता का किरदार मनसा स्वयं को देवी के रूप में पूजे जाने की इच्छा रखती हैं और इसके लिए उन्हें कुछ ऐसा करना होगा ताकि लोग उन्हें पूजने लगे। इसके लिए वे भरपूर प्रयास करती हैं। इस दौरान उन्हें बहुत-सी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, लेकिन अंत में उन्हें देवी के रूप में सम्मानित किया जाता है।

इशिता मानती हैं कि जिंदगी में कुछ भी हो, मनसादेवी की तरह ही लड़ना चाहिए और उसे पाने के लिए अपना दिल लगा देना चाहिए। इशिता ने कहा, अपनी जिंदगी में हम बहुत-सी चुनौतियों का सामना करते हैं, खासतौर पर तब, जब हमें कुछ बड़ा हासिल करना हो।

उन्होंने कहा, हमें पता है कि हम जो भी रास्ता चुनें, उसमें हमें बहुत मेहनत करनी पड़ती है, लेकिन सबसे अच्छी बात जो हम कर सकते हैं, वो यह कि कभी हार ना मानें और हमेशा आगे बढ़ते रहें क्योंकि तब ही हम वो हासिल कर सकते हैं जो हमें चाहिए। मेरे किरदार मनसादेवी के साथ भी कुछ ऐसा ही है। उन्होंने सभी विपत्तियों का सामना करते हुए वो प्राप्त किया जो वो चाहती थीं।

कोरोना से जंग लड़ रही तनाज ईरानी अपनी बेटी की यह बात सुन हुई भावुक

जी टीवी पर हाल ही में शुरू हुआ नया शो 'अपना टाइम भी आएगा' जयपुर के एक अमीर घराने के हेड स्टाफ की बेटी रानी के सफर की कहानी है। इसमें रानी अपनी गरीबी से बंधे रहने से इंकार कर देती है और अपनी जंजीरें तोड़कर खुद अपनी किस्मत लिखने का फैसला करती हैं। अपनी शुरुआत से ही यह फैमिली ड्रामा अनेक अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव के साथ दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है।

इसी बीच शो में महारानी राजेश्वरी का किरदार निभाने वालीं तनाज ईरानी के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने की खबर ने सभी को चौंका दिया था। जब से उनके टेस्ट के नतीजे आए हैं, तब से तनाज घर पर ही क्वारंटाइन में हैं और वो अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए सभी सावधानियां बरत रही हैं।

तनाज डटकर इस बीमारी का सामना कर रही हैं, वहीं 'अपना टाइम भी आएगा' की इस स्टार के लिए रिकवरी की प्रक्रिया बड़ी मुश्किल रही। तनाज ने बताया कि कैसे उनकी बेटी की एक मासूम-सी गुजारिश ने उन्हें इमोशनल कर दिया था।

कोविड-19 से अपनी रिकवरी के बारे में बताते हुए तनाज ने कहा, मेरा टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद शुरुआती कुछ दिन वाकई बहुत खराब गुजरे क्योंकि मुझे शरीर और सिर में बहुत तेज दर्द होता था। मैं चीजों पर ध्यान नहीं दे पाती थी, लेकिन मैंने नियमित तौर पर अपने विटामिन सी सप्लीमेंट्स के साथ हल्दी दूध और काढ़ा पीना जारी रखा। इससे वाकई मुझे मदद मिली।

उन्होंने कहा, मैं बात करते हुए लगातार थकान महसूस करती थी, इसलिए मैंने अपने दिमाग और शरीर को शांत रखने के लिए प्राणायाम और ध्यान करना शुरू किया। रिकवरी के दौरान मंडल आर्ट भी मेरे बहुत काम आया। जहां अब मुझे पहले से बेहतर महसूस होता है, वहीं मेरे मुंह का स्वाद अब तक नहीं आया है। मैंने महसूस किया है कि इसे पूरी तरह ठीक होने में कुछ महीने लग जाएंगे और यह इतना आसान नहीं होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्रिटेन ने ऑक्सफोर्ड कोविड-19 टीके के इस्तेमाल को दी मंजूरी

लंदन,

ब्रिटेन ने बुधवार को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी-एस्ट्राजेनेका कोविड-19 वैक्सीन को देश के दवा नियामक द्वारा हरी झंडी मिलने के बाद इस्तेमाल के लिए मंजूरी दे दी।मेडिसिंस एंड हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी एजेंसी (एमएचआरए) ने पाया कि वैक्सीन ने सुरक्षा, गुणवत्ता और प्रभावशीलता के अपने सख्त मानकों को पूरा किया है। ब्रिटेन में नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी/ एस्ट्राजेनेका वैक्सीन को लागू करने के लिए अपनी व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। ब्रिटेन में फाइजर के बाद ये दूसरी वैक्सीन है, जिसे सरकार की मंजूरी मिली है। द ज्वाइंट कमिटी ऑन वैक्सीनेशन एंड इम्यूनाइजेशन (जेसीवीआई) ने सलाह दी है कि आवश्यक दो खुराक प्रदान करने के बजाय, जोखिम वाले समूहों को उनकी पहली खुराक देने पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सरकार ने कहा, सभी को अभी भी उनकी दूसरी खुराक प्राप्त होनी है और यह उनके पहले खुराक के 12 सप्ताह के भीतर दिया जाएगा। दूसरी खुराक से कोर्स पूरा होता है और यह लंबी अवधि के लिए महत्वपूर्ण है। सरकार के अनुसार, आज से एनएचएस की प्राथमिकता ब्रिटेन

में उच्च-जोखिम वाले समूहों को वैक्सीन की पहली खुराक देने की होगी। अब दो वैक्सीन के अप्रूवल मिलने के बाद, हम अधिक से अधिक उन लोगों को टीका लगाने में सक्षम होंगे, जो उच्च जोखिम में हैं।

कोरोना फाइटर मॉस्क पर्यावरण के लिए खतरनाक, 150 करोड़ फेस मास्क समुद्र में जाने से बढ़ेगा प्रदूषण

इंटरनेशनल डेस्क :

दिसंबर 2019 से शुरू हुई कोरोना वायरस महामारी ने 2020 में खूब कहर मचाए रखा। पूरा साल दुनिया खौफ में रही और प्रतिबंधों में जीवन बिताया । जाते -जाते भी कोरोना को चैन नहीं आया आर वायरस का नया रूप नई मुसीबत बनकर टूट पड़ा । एक तरफ इस बीमारी से लोग संक्रमित हो रहे हैं और अपनी जान गंवा रहे हैं तो दूसरी तरफ वायरस से बचने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाला मास्क पर्यावरण के लिए खतरानाक साबित होगा । एक रिपोर्ट के अनुसार मास्क की वजह से इस साल समुद्री इकोसिस्टम भी बहुत ज्यादा प्रदूषित होगा। हांगकांग की पर्यावरण संरक्षण ओसियन्स एशिया की ग्लोबल मार्केट रिसर्च के आधार पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक इस साल अलग-अलग माध्यमों से इस्तेमाल किए गए 150 करोड़ फेस मास्क समुद्र में पहुंचेंगे। इन हजारों टन प्लास्टिक से समुद्री जल में फैले प्रदूषण के कारण समुद्री वन्य जीवन को भारी नुकसान होगा। कोरोना वायरस से बचाव के लिए इस साल लगभग 5,200 करोड़ मास्क बने हैं। परंपरागत गणना के आधार पर इसका तीन फीसदी हिस्सा समुद्र में पहुंचेगा। ये सिंगल यूज फेस मास्क मेल्टब्लॉन किस्म के प्लास्टिक से बना होता है, इसमें कंपोजिशन, खतरे और इंफेक्शन की वजह से इसे रिसाइकिल करना काफी मुश्किल हो जाता है। हर मास्क का वजन तीन से चार ग्राम होता है। इस स्थिति में लगभग 6,800 टन से ज्यादा प्लास्टिक प्रदूषण पैदा होगा। इतनी संख्या में पैदा हुए प्लास्टिक को खत्म करने में कम से कम 450 साल लगेंगे। रिपोर्ट में इस खतरे से बचने के लिए बार-बार इस्तेमाल होने वाले और धुलने वाले कपड़े से बने मास्क के इस्तेमाल का सुझाव दिया गया है। ब्रिटेन की शाही सोसाइटी ने जानवरों की सुरक्षा के लिए हाल ही में सुझाव दिया था कि अपना मास्क फेंकने से पहले उसका कान में लगाने वाला स्ट्रैप निकाल दिया करें।

मानना होगा कि महामारी अमेरिका में और बदतर होने वाली है : फाउची

वाशिंगटन।

अमेरिका के संक्रामक रोगों के शीर्ष विशेषज्ञ एंथनी फाउची ने कहा है कि वर्तमान में कोविड-19 महामारी से दुनिया में सबसे ज्यादा प्रभावित अमेरिकी लोगों को ताजा मामलों और मौतों के मद्देनजर मानना होगा कि स्वास्थ्य संकट और भी बदतर होने वाला है।अमेरिका में पिछले 28 दिनों में रिकॉर्ड 65,000 मौतें दर्ज होने के बाद मंगलवार को फाउची की यह टिप्पणी आई।वहीं, नवंबर के महीने में देश में 36,964 मौत हुई थी, जिसके मुकाबले दिसंबर बहुत ज्यादा मौतों के साथ काफी खराब महीना साबित हुआ है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के अनुसार, देश में कोरोना से 338,544 लोगों की मौत हो चुकी है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शस

डिजीज के निदेशक फाउची ने सीएनएन को बताया, मुझे उम्मीद है कि हम लगातार 200,000 से अधिक देखने के उस स्तर तक नहीं पहुंचेंगे क्योंकि, जैसा कि आप जानते हैं, यह आपको विचलित करता है। शीर्ष स्वास्थ्य विशेषज्ञ के अनुसार, देश कोरोना मामलों के तेजी से आने से यह कई मामलों में नियंत्रण से बाहर हो गया है। उन्होंने सीएनएन को बताया, वास्तव में बहुत प्रभावी पहचान करना आइसोलेशन और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग करना बहुत मुश्किल है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के अनुसार, अमेरिका में कोरोना के 1,95,48,706 मामले सामने आ चुके हैं।

एनपीसी की विदेशी मामला समिति ने अमेरिका की कड़ी निंदा की

बीजिंग। 30 दिसंबर को एनपीसी की विदेशी मामला समिति ने अमेरिका के वर्ष 2021 वित्तीय वर्ष में व्यापक विनियोग अधिनियम को लेकर बयान जारी कर कहा कि अमेरिका ने चीन के विरोध की उपेक्षा कर शीत युद्ध विचार, शून्य राशि खेल अवधारणा और चीन के प्रति पक्षपात पर कायम रहकर इस अधिनियम में तिब्बत, ताईवान, हांगकांग, शिनच्यांग से जुड़े कई नकारात्मक धाराएं शामिल कीं। संबंधित विषयों और धाराओं ने गंभीर रूप से चीन के राष्ट्रीय हितों को बर्बाद किया है और चीन के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप भी किया है। एनपीसी इसकी कड़ी निंदा और विरोध करती है। बयान

में यह कहा गया है कि केंद्र सरकार और पूरे देश की जनता के समर्थन से तिब्बत की विभिन्न जातीय जनता की कोशिश से तिब्बत के आर्थिक व सामाजिक विकास में बड़ी सफलता मिली है।

जनता का जीवन स्तर व्यापक हद तक उन्नत हुआ है। पारिस्थितिक सभ्यता का निर्माण निरंतर रूप से मजबूत हो रहा है। शिक्षा, संस्कृति व स्वास्थ्य आदि कार्यों में बड़ा विकास हुआ है लेकिन अमेरिकी संसद के कुछ राजनीतिज्ञों ने वास्तविकता की उपेक्षा कर चीन को बदनाम किया। इससे जाहिर हुआ है कि अमेरिका तिब्बत मामले के बहाने से चीन के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप करने के साथ-साथ चीन के विकास को बाधित करना चाहता है।

संक्षिप्त समाचार

चीन में सामाजिक रसद की औसत वार्षिक वृद्धि दर 6.5 फीसदी से अधिक

बीजिंग। 29 दिसंबर को आयोजित चीन के चौथे राष्ट्रीय रसद उद्योग उन्नत प्रशस्ति सम्मेलन में चीनी रसद और खरीद संघ के अध्यक्ष ह लीमिंग ने कहा कि रसद उद्योग राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विकास का समर्थन करने वाला एक बुनियादी, रणनीतिक और अग्रणी उद्योग है। इधर के 5 वर्षों में चीन में सामाजिक रसद की औसत वार्षिक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत से अधिक रही है, रसद उद्योग की कुल आय 100 खरब युआन से अधिक पहुंची है।बताया जाता है कि अब तक चीन में जीडीपी के अनुपात के रूप में सामाजिक रसद की कुल लागत 15 प्रतिशत से नीचे गिर चुकी है। कार्गो परिवहन और एक्सप्रेस वितरण व्यवसाय की मात्रा कई वर्षों से दुनिया में पहले स्थान पर है। ह लीमिंग ने कहा कि चीनी रसद और खरीद संघ आधुनिक रसद और अन्य सेवा उद्योगों के विकास में तेजी लाने में मदद करेगा, व्यापक परिवहन चैनलों, व्यापक परिवहन केन्द्रों और रसद नेटवर्क के सुधार को बढ़ावा देगा।

श्रीलंका में कोविड-19 वैक्सीन मार्च तक उपलब्ध होने के आसार : डब्ल्यूएचओ

कोलंबो। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने आश्वासन दिया है कि मार्च 2021 तक श्रीलंका के लिए कोविड-19 वैक्सीन उपलब्ध कराया जा सकता है, क्योंकि देश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने खुराक के स्टोरेज के लिए कोल्ड चेन संबंधी जरूरतों में सुधार के प्रयास तेज कर दिए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। समाचारपत्र डेली मिरर ने बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा कि कोवैक्स के तहत सहयोग पर सरकारी अधिकारियों और डब्ल्यूएचओ के अधिकारियों के बीच कोविड-19 टीकों की तेजी से पहुंच सुनिश्चित करने की वैश्विक पहल के बीच मंगलवार को शीर्ष स्तरीय बैठक हुई। अधिकारी ने डेली मिरर को बताया कि श्रीलंका मुख्य रूप से वैक्सीन के लिए 2-8 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर संग्रहित करने की तैयारी कर रहा है।अधिकारी ने कहा, हम माइनस 20 डिग्री सेल्सियस पर संग्रहित होने वाले टीके के लिए भी तैयार रहेंगे। दुनिया में कई डब्ल्यूएचओ-प्रीक्वालिफाइड वैक्सीन कैंडीडेट हैं। डब्ल्यूएचओ श्रीलंका को वैक्सीन की आवश्यकता का 20 प्रतिशत मुफ्त में प्रदान करेगा। श्रीलंका को अभी तक यह तय नहीं करना है कि जनसंख्या के किस समूह को सबसे पहले टीका लगाया जाएगा। श्रीलंका में कोरोना के अब तक कुल 42,056 मामले सामने आ चुके हैं जबकि 195 की मौत हुई है।

दुबई में प्रवासी भारतीय ने अपने नियोक्ता के फर्जी हस्ताक्षर किए, हुई जेल

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रहने वाले एक प्रवासी भारतीय ने अपने नियोक्ता के फर्जी हस्ताक्षर किए। उसे दुबई में छह महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। आरोप है कि प्रवासी भारतीय ने दो साल के दौरान कम से कम 47 बार अपने मालिक के हस्ताक्षर कर 447,000 दिरहम अपने व्यक्तिगत खाते में स्थानांतरित कर लिए। मीडिया ने यह जानकारी दी। गल्फ न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, जेल अवधि के अलावा, मूल रूप से गुजरात के रहने वाले आरोपी को 471,202 दिरहम का जुर्माना भी भरने के लिए कहा गया है। व्यक्ति पर उसके नियोक्ता की चेकबुक चुराने का भी आरोप है।नियोक्ता किशनचंद भाटिया के अनुसार, आरोपी पिछले आठ वर्षों से एक प्रशासनिक कर्मचारी के रूप में उनकी दुबई स्थित कंपनी, ट्रांसकॉन्टिनेंटल इंडेंटिंग में काम कर रहा था और कंपनी की चेकबुक तक उसने पहुंच बना ली थी। अदालत के रिकॉर्ड से पता चला है कि आरोपी ने दुबई में एक बैंक के व्यक्तिगत बचत खाते में व्यवस्थित रूप से धन स्थानांतरित करने के लिए 47 बार खाता-भुगतान चेक पर हस्ताक्षर किए थे। यूएई में पांच दशकों से अधिक समय से रह रहे भाटिया ने कहा कि इस साल अक्टूबर में उसे इस चोरी का पता चला था।

बांग्लादेश : कथित गोलीबारी में बीजीबी ने भारतीय व्यक्ति को गोली मारी

ढाका. बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) और भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के बीच 51वें महानिदेशक-स्तरीय सीमा समन्वय सम्मेलन के समापन के कुछ दिन बाद ही बीजीबी के सदस्यों के साथ कथित गोलीबारी में एक भारतीय व्यक्ति की मौत हो गई। एक बयान में, बीजीबी मयमेनसिंह सेक्टर 39 के बटालियन कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल तौहीद महमूद ने कहा, मृतक की पहचान 48 वर्षीय डेबिट मोमीन के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह भारत के गारो हिल्स का निवासी है। बीजीबी ने पुष्टि करते हुए आईएएनएस को बताया कि यह घटना सोमवार देर रात सूर्यपुर दुमलीकुरा सीमा के 1129-4एस के समीप नो मैन्स लैंड के पास हुई। लेफ्टिनेंट कर्नल महमूद ने दावा किया कि तस्करों के एक समूह ने रात में हलुआघाट उपजिला सीमा में प्रवेश करने की कोशिश की।

पाक प्रधानमंत्री ने उज्बेकिस्तान के साथ कनेक्टिविटी का आह्वान किया

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने क्षेत्र के आर्थिक विकास और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने के लिए उज्बेकिस्तान के साथ संयुक्त प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान का हवाला देते हुए जानकारी दी, खान ने मंगलवार को उज्बेकिस्तानके परिवहन मंत्री मखकामोव इल्खम से बात करते हुए कहा कि पाकिस्तानी सीपोर्ट ने मध्य एशियाई राष्ट्र और अन्य क्षेत्रीय देशों को हिंद महासागर तक पहुंच का एक बड़ा अवसर प्रदान किया है। बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इल्खम मध्य एशिया से पाकिस्तानी सीपोर्ट तक रेल और सड़क सहयोग पर चर्चा करने के लिए इस्लामाबाद की एक दिवसीय यात्रा पर गए थे।

प्रदूषण नियंत्रण में कैसे कामयाब हुआ चीन?

बीजिंग।

चीन में कुछ साल पहले तक प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर थी। खासतौर पर उत्तरी चीन के कुछ बड़े शहरों में वायु प्रदूषण प्रमुख चिंता का विषय था। जिसमें राजधानी बीजिंग भी शामिल था लेकिन चीन सरकार ने हाल के वर्षों में इस समस्या को हल करने के लिए पूरी कोशिश की है। इसी का नतीजा है कि आजकल चीन के तमाम क्षेत्रों में प्रदूषण बेहद कम हो चुका है। बीजिंग की बात करें तो, यहां के लोगों को इस साल अब तक ठंड के मौसम में न के बराबर प्रदूषण या धुंध की परेशानी झेलनी पड़ी है लेकिन कुछ वर्ष पहले तक ऐसा सोचना भी संभव नहीं था। यह मैं अपने अनुभव के आधार पर कह रहा हूं, जो कि मैंने यहां पर रहते हुए महसूस किया है। असल में, चीन में हरियाली बढ़ाने और पार्कों की स्थापना करने पर बहुत ध्यान दिया जा रहा है। इसका परिणाम हमारे सामने है। यहां बता दें कि चीन में अक्तूबर से मार्च महीने के बीच प्रदूषण की समस्या देखने में आती है क्योंकि देश के कुछ क्षेत्रों में हीटिंग के लिए कोयले का प्रयोग किया जाता है। हालांकि बीजिंग में अब कोयला चालित हीटिंग पूरी तरह से बंद हो चुकी है। सरकारी आंकड़ों की मानें तो इस वर्ष के अक्तूबर महीने से अब तक बीजिंग-थ्येनचिन-हबेई प्रांत के क्लस्टर व यांग्त्जी नदी के डेल्टा आदि क्षेत्रों में प्रदूषण में साल 2015 की तुलना में 86 फीसदी की कमी रिकार्ड की गयी है। जबकि पिछले वर्ष के मुकाबले 47 प्रतिशत की गिरावट प्रदूषण के लेवल में देखी गई है। यह दर्शाता है कि चीन ने प्रदूषण की समस्या को कितनी गंभीरता से लिया है। जाहिर है कि चीन के सभी प्रभावित क्षेत्रों में एयर क्वालिटी में बेहद सुधार आया है। मौसम विभाग के अनुसार, इस साल बीजिंग में सर्दियों के दौरान भारी प्रदूषण नहीं हुआ। इतना ही नहीं पिछले चालीस दिनों में वायु की गुणवत्ता बहुत अच्छी रही है। चीन के एक संबंधित अधिकारी ने बताया कि वायु प्रदूषण पर नियंत्रण में सरकार के प्रयासों के चलते, इस साल देश के 337 प्रमुख शहरों में पीएम 2.5 पार्टिकुलेट मैटर का औसत घनत्व 31 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर तक पहुंच गया जो कि डब्ल्यूएचओ के अंतरिम टारगेट 35 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से कम है। इसके साथ ही संबंधित विभाग उन क्षेत्रों में स्थानीय सरकारों के साथ मिलकर पूवार्नुमान को बढ़ाने की दिशा में काम करेगा और संभावित वायु प्रदूषण से निपटने के उपाय भी लागू किए जाएंगे।

अमेरिका के ताईवान संबंधी अधिनियम से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा : चीन

बीजिंग।

हाल में अमेरिकी नेता ने 2021 वित्तीय वर्ष के व्यापक विनियोग अधिनियम पर हस्ताक्षर किए, जिसमें तथाकथित ताईवान गारंटी कानून की धारा शामिल है। इस धारा में ताईवान को अमेरिकी सरकार द्वारा हथियार बिक्री को सामान्य प्रक्रिया बताया गया है। साथ ही कहा गया कि अमेरिका ताईवान के अनेक अहम अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में हिस्सा लेने का समर्थन भी करेगा। अमेरिका की इस कार्रवाई ने चीन के अंदरूनी मामलों में धृष्ठतापूर्वक हस्तक्षेप किया और चीन के राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाया। इसका चीन ने जबरदस्त खंडन और विरोध किया है। ताईवान मुद्दा चीन की प्रभुसत्ता और प्रादेशिक अखंडता से संबंधित है, साथ ही चीन-अमेरिका संबंध का सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील सवाल भी है। 1979 में जारी चीन-अमेरिका राजनयिक संबंधों की स्थापना के ज्ञापन में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अमेरिका यह मान्यता देता है कि चीन लोक गणराज्य चीन की एकमात्र कानूनी सरकार है। अमेरिकी राजनेता इस बारे में स्पष्ट रूप से जानते हैं लेकिन उन्होंने शीत युद्ध की विचारधारा पर आधारित चीन के केंद्रीय हित संबंधी ताईवान सवाल पर बार-बार गलतियां की। बीते 4 सालों में अमेरिका ने 11 बार ताईवान को हथियार बेचे, केवल इस साल 6 बार हथियारों की बिक्री की जा चुकी है। इस साल अमेरिका ने तथाकथित 2019 थाईपेई अधिनियम को कानून बनाया और 10 से अधिक बार सैन्य जहाजों को ताईवान जलडमरुमध्य में भेजा। और तो और अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पेओ ने कहा कि ताईवान चीन का भाग नहीं है और खुलेआम चीन-अमेरिका राजनयिक संबंधों की स्थापना के राजनीतिक आधार को पैरों तले रौंदा है। लेकिन अमेरिकी राजनेता भले ही कितनी भी कोशिश क्यों न करें, चीन पर इसका कोई असर नहीं पड़ सकता है। इससे पहले चीन ने लोकहिड मार्टिन कॉपरेशन, बोइंग इंटिग्रेटेड डिफेन्स सिस्टम्स और रेइथोन कंपनी आदि अमेरिकी सैन्य उद्यमों और ताईवान को हथियार बिक्री करने की प्रक्रिया में बुरी भूमिका

अदा करने वाले अमेरिकी निजी लोगों या यथार्थ इकाइयों के खिलाफ प्रतिबंध लगाया। इसमें चीन द्वारा देश की प्रभुसत्ता की रक्षा करने का दृढ़ संकल्प दिखता है। हाल में चीन-अमेरिका संबंध राजनयिक संबंधों की स्थापना की सबसे गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अमेरिका की नयी सरकार एशिया प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के हितों की रक्षा करना चाहती है, इसलिए हमें जानना चाहिए कि ताईवान सवाल बहुत जटिल और संवेदनशील है। अमेरिका को गलत और खतरनाक रास्ते में आगे नहीं बढ़ना चाहिए।

ईयू नेताओं ने ब्रिटेन के साथ पोस्ट-ब्रेक्जिट व्यापार समझौते पर किए स्ताक्षर

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) के नेताओं ने बुधवार को ब्रिटेन के साथ पोस्ट-ब्रेक्जिट व्यापार समझौते पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयन ने ट्वीट कर इस बात की

पुष्टि की है कि उन्होंने और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ-ब्रिटेन व्यापार और सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा, ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन आज लंदन में बाद में इस पर साइन करेंगे। उर्सुला ने कहा, यह एक मुश्किल प्रक्रिया रही है। अब ब्रेक्सिट से जुड़ी नकारात्क बातों को पीछे रखने का समय आ गया है। हमारा भविष्य यूरोप में बना है। महीनों की बातचीत के बाद, 24 दिसंबर को यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने एक समझौते पर पहुंचने की घोषणा की, जो 1 जनवरी 2021 से शुरू होने वाले द्विपक्षीय व्यापार और सुरक्षा संबंधों को नियंत्रित करेगा। इस समझौते के लिए यूरोपीय संसद, ब्रिटेन की संसद और यूरोपीय संघ के 27 सदस्य देशों के अनुमोदन की जरूरत होगी। मुक्त व्यापार सौदा दोनों पक्षों द्वारा हस्ताक्षरित सबसे बड़ा द्विपक्षीय व्यापार सौदा है, जिसमें लगभग 668 अरब पाउंड (905 अरब डॉलर) का व्यापार शामिल है।

चीनी मेट्रो पाकिस्तान में लाई गरीबी, 'भीख' मांगने को मजबूर हुई जनता

पेशावर :

'नया पाकिस्तान' के सपने दिखा कर सत्ता में आई इमरान खान सरकार अपने हर वायदे पर झूठी साबित हो रही है। कर्ज के बोझ तले दबा देश बुरी तरह कंगाल हो चुका है और जमता रोजी -रोटी को मोहताज। चीन की खैरात और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की महत्वकांशी योजनाओं के बल पर दुनिया में इतराने वाले पाकिस्तान की हालत इतनी खराब है कि लोग चीन और अपनी इमरान सरकार को जम कर कोस रहे हैं। चीन की मदद से पाक में शुरू हुई मैट्रो परियोजना भी पाकिस्तानियों के लिए मुसीबत ही साबित हो रही है। लाहौर के अनारकली इलाके में जब बुलडोजर चला तो कुछ लोगों ने जाकर पास के एक धर्मस्थल में शरण ली। जाहिर है कि उन्हें अपनी संपत्ति और जमीन को खोने से नुकसान हुआ। उन्हें अपना घर पंजाब की प्रांतीय सरकार को बाजार से कम कीमत में बेचने पर विवश किया गया। ये सारी कवायद इसलिए हुई ताकि चीन के पैसे से पाकिस्तान के दूसरे सबसे बड़े शहर में मेट्रो रेल चलाई जा सके। ऐसे में जहां मेट्रो आने से उनको तमाम तरह की सुविधाएं मिलने की बात कही गई लेकिन कुछ लोगों को मेट्रो के काम ने अपने घर से निकालकर सड़क पर ला दिया । अच्छा खासा जीवन जी रहे इन लोगों की गिनती अब बेघर और गरीबों में होने लगी है। करीब 1.8 अरब अमेरकी डॉलर की इस परियोजना का पहला चरण अक्टूबर में शुरू हो गया। दक्षिण एशिया के सबसे प्रदूषित शहरों में एक लाहौर के लिए यह खुशी की बात है लेकिन इसकी वजह से सैकड़ों लोगों का भविष्य अंधकारमय हो गया है। कुछ लोगों का का कहना है कि वह कहीं और नहीं जाना चाहते क्योंकि पूरी जिंदगी सिर्फ इसी जगह को जाना है। चीनी रेलवे नोरिंको इंटरनेशनल और उसके पाकिस्तानी साझीदारों की चलाई ऑरेंज लाइन चीन की उन दो दर्जन परियोजनाओं में शामिल है जिसे खरबों डॉलर के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत दुनिया के कई देशों में शुरू किया गया है। हर दिन अढाई लाख लोग इस रेल सेवा का इस्तेमाल करते हैं। डीडब्लयू की रिपोर्ट के मुताबिक बेहद सस्ती कही जाने वाली रेल सेवा का किराया 40 पाकिस्तानी रुपए है। सस्ती होने के साथ ही इसमें यात्रियों को आरामदायक और आधुनिक तकनीक से लैस यात्रा का मजा मिलता है। लेकिन सच तो यह भी है कि मैट्रों की मार आम जनता को झेलनी पड़ रही है। यहां भी पाक सरकार भेदभाव कर रही है । चीनी अधिकारी जहां मोटा वेतन और

सुविधाएं ले रहे हैं वहीं पाकिस्तानी कर्मी मामूली वेतन पर काम करने को मजबूर हैं। मैट्रो स्थल से उजाड़े गए लोग बदहाली का जीवन जी रहे हैं और कई लोग तो भीख मांगने को मजबूर हो चुके हैं।

नर्सिंग की छात्रा ने गर्ल्स होस्टेल में फांसी लगाकर जान दी

राजकोट शहर के एचएन शुक्ला नर्सिंग कॉलेज की छात्रा के होस्टेल के अपने रूम में फांसी लगाकर आत्महत्या की घटना से सनसनी फैल गई। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चला। पुलिस ने छात्रा का शव पोस्टमोर्टम के लिए भेज कानूनी कार्रवाई शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक सुरेन्द्रनगर के लखतर गांव की मूल निवासी 22 वर्षीय सुजाता प्रवीणभाई चौहाण नामक युवती राजकोट की एचएन शुक्ला नर्सिंग कॉलेज की तृतीय वर्ष की छात्रा थी। ऑनलाइन पढ़ाई के साथ ही सरकार के निर्देशानुसार सुजाता कोविड होस्पिटल में सेवा कर रही थी। पिछले चार महीने से सुजाता राजकोट के सिविल होस्पिटल के कोविड सेंटर में बतौर स्टुडेन्ट नर्स सेवारत थी। ड्यूटी के दौरान न्यू नर्सिंग होस्टेल में 8वीं मंझिल पर रूम 830 में सुजाता रहती थी। बीते दिन छुट्टी होने से सुजाता अपने कमरे में थी और वक्तकिन्हीं कारणों से फांसी लगाकर स्युसाइड कर लिया। कमरे में सुजाता का छत से लटक रहा था। सुजाता के आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चला। पुलिस को घटनास्थल से कोई स्युसाइड नोट भी नहीं मिला। हांलाकि सुजाता की तबियत ठीक नहीं होने की वजह से वह एक महीने की छुट्टी पर अपने घर जाने वाली थी7 अपनी माता के साथ अंतिम बातचीत में सुजाता ने कहा कि उसकी तबियत अच्छी नहीं रहती, इसलिए वह एक महीने के लिए घर आ रही है7 सुजाता के बजाए उसका शव घर लौटने से परिवार शोक में डूब गया।

प्रेमी के साथ संबंधों से जन्मे बच्चे को कुंवारी माता ने कड़ाके की ठंड में लावारीस छोड़ा

क्रांति समय दैनिक

सूरत शहर के गोडादरा क्षेत्र में प्रेमी युवक के साथ शारीरिक संबंधों से जन्मे बच्चे को कुंवारी माता ने प्रमुख आरण्य एपार्टमेंट की बिल्डिंग की पार्किंग में लावारीस हालत में छोड़ दिया। बिल्डिंग में रहने वाले व्यक्ति से जानकारी मिलने पर घटनास्थल पर पहुंची गोडादरा पुलिस ने बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत सामान्य है। जानकारी के मुताबिक सूरत के गोडादरा क्षेत्र के प्रमुख आरण्य एपार्टमेंट की बिल्डिंग नंबर बी-4 के पार्किंग में दो दिन पहले एक नवजात शिशु लावारीस हालत में पड़ा

देख स्थानीय पवन सोहनलाल अग्रवाल ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने नवजात शिशु को अपने कब्जे में लेकर उसे अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस की जांच में पता चला कि उसी क्षेत्र में रहनेवाली एक अविवाहित युवती गर्भवती थी, जिसने बच्चे को जन्म देने के बाद उसे त्याग दिया था। उस वक्त युवती भी अस्पताल में भर्ती थी।

अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद पुलिस की पूछताछ में युवती ने बताया कि वह जिस एपार्टमेंट रहती है उसी एपार्टमेंट में रहनेवाले एक युवक के साथ उसके प्रेमसंबंध थे और दोनों ने आपसी सहमति से शारीरिक संबंध बनाए थे।

जिसकी वजह से वह गर्भवती हो गई और बच्चे को जन्म दिया। अविवाहित होने की वजह से अपना पाप छिपाने के लिए बच्चे को त्याग दिया।

राजस्थान की मूल निवासी युवती सूरत में अपने भाई-भाभी के साथ रहती है और उसके माता-पिता राजस्थान में रहते हैं। युवती का प्रेमी भी राजस्थान का निवासी है। युवती अपने प्रेमी के खिलाफ कोई शिकायत करने को तैयार नहीं है। युवक और युवती दोनों बालिग हैं।

ऐसे में युवक के खिलाफ यदि युवती शिकायत करती है तभी पुलिस उसके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई कर सकती है। फिलहाल दोनों परिवारों के बीच समाधान की बात चल रही है।

सार-समाचार

कड़ाके की ठंड के बीच भूकंप के झटके से थर्रा उठा कच्छ

कच्छ में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और ऐसे में भूकंप के झटके ने लोगों में दहशत पैदा कर दी है। आज सुबह 9.46 बजे कच्छ में 4.3 की तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया। भूकंप के झटके से ठंड से बचने में अपने घर में दुबक के बैठे लोग बाहर की ओर भाग निकले। कच्छ में आए भूकंप का केन्द्रबिंदू खावडा से 26 किलोमीटर दूर था। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.3 बताई गई है। खावडा में भूकंप का केन्द्रबिंदू होने के कारण इसका असर सौराष्ट्र और उत्तर गुजरात के कई हिस्सों में भी हुआ। सबसे अधिक तीव्रता कच्छ के भुज में महसूस की गई7 राहत की बात यह है कि भूकंप से कोई जानहानि नहीं हुई। इससे पहले देर रात 2.19 बजे कच्छ के भचाऊमें भूकंप आया। जिसकी तीव्रता 2.2 थी।

उत्तराखंड की गवर्नर ने की मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी से शिष्टाचार भेंट

गांधीनगर मुख्यमंत्री विजय रूपाणी से बुधवार को गांधीनगर में उत्तराखंड की राज्यपाल बेबी रानी मौर्य ने शिष्टाचार मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड की गवर्नर गुजरात के दौरे पर हैं।

इस दौरान उन्होंने केवड़िया स्थित स्टेच्यू ऑफ यूनिटी, एशियाई शेरों का स्थान गिरनार और द्वादश ज्योतिर्लिंग सोमनाथ की यात्रा की। विश्व की सबसे उंची प्रतिमा- स्टेच्यू ऑफ यूनिटी और केवड़िया के व्यापक क` विकास प्रभावित पर्यटन स्थल रूप में हुए से वे काफी हुई। इन यात्राओं के संपन्न होने के बाद उत्तराखंड की गवर्नर ने आज मुख्यमंत्री निवास स्थान पर विजय रूपाणी से सौजन्य भेंट की।

मुख्यमंत्री ने स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की प्रतिकृति भेंट की

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने इस दौरान उन्हें विश्व की सबसे विराट सरदार प्रतिमा- स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की प्रतिकृति स्मृति चिह्न के रूप मेंभेंट की। इस मुलाकात के दौरान अंजलिबेन रूपाणी तथा उत्तराखंड की राज्यपाल के पति प्रदीप कुमार जी भी मौजूद थे।

मान गए भाजपा सांसद मनसुख वसावा, इस्तीफा लिया वापस

अहमदाबाद कल भाजपा से इस्तीफा देनेवाले सांसद मनसुख वसावा ने मुख्यमंत्री विजय रूपाणी से मुलाकात के बाद मान गए हैं। गांधीनगर में आज विजय रूपाणी और मनसुख वसावा के बीच करीब पौने घंटे बातचीत हुई। जिसमें मुख्यमंत्री की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद मनसुख वसावा ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में मनसुख वसावा ने कहा कि वह बतौर सांसद लोगों की सेवा करते रहेंगे।

साथ ही यह भी कहा कि उन्होंने न तो कोई राजनीतिक सौदेबाजी की है और न ही पार्टी पर दबाव बनाने का प्रयास किया है। वास्तव में मेरी गर्दन और कमर में तकलीफ की वजह से मैंने पार्टी से इस्तीफा देने का फैसला किया था। अपने इस्तीफे में इसका उल्लेख भी किया था।

लेकिन पार्टी हाईकमांड ने मुझे बतार सांसद सेवा करने का आदेश दिया है, इसलिए मैंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है।

उन्होंने कहा कि पार्टी के साथ मेरी कोई नाराजगी नहीं है, शारीरिक तकलीफों के कारण मेरे दोस्तों और परिजनों ने मुझे आराम करने की सलाह दी थी। वसावा कहा कि भरूच जिला और तहसील में मेरी ओर से कार्यकर्ता काम करते रहेंगे।

फिलहाल डॉक्टर ने मुझे चार-पांच महीने आराम करने की सलाह दी है। मुख्यमंत्री के साथ बैठक में मुझे समझाया गया कि यदि वह सांसद बने रहेंगे तो सरकारी खर्च से उनका उपचार होता रहेगा। लेकिन संसद की सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद यह संभव नहीं होगा।

पार्टी ने मुझे दिल्ली में उपचार कराने की सलाह दी है। लव जेहाद के मुद्दे पर मिली धमकी को लेकर मनसुख वसावा ने बताया कि इसकी उन्होंने पुलिस को जानकारी दे दी है और पुलिस इस मामले की जांच कर रही हैं।

वसावा ने कहा कि वह मुस्लिम विरोधी नहीं हैं और कई मुस्लिम लोग भी लव जेहाद के खिलाफ कानून बनाने की मांग कर रहे हैं।

12 विशेष ट्रेनों की सेवाओं का विस्तार। यात्रियों की सुविधा के लिए।

यात्रियों की सुविधा के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे ने भारतीय रेलवे के विभिन्न गंतव्यों के बीच 12 विशेष ट्रेनों की सेवाओं को विस्तारित करने का निर्णय लिया है। एक अन्य ट्रेन जोधपुर – चेन्नई एग्मोर स्पेशल ट्रेन पश्चिम रेलवे के कुछ स्टेशनों से गुजरेगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन विशेष ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है।ट्रेन नंबर 02921 मुंबई सेंट्रल – सूरत फ्लाइंग रानी सुपरफास्ट स्पेशल मुंबई सेंट्रल से प्रतिदिन 17.55 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 22.35 बजे सूरत पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 02922 सूरत – मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल सूरत से प्रतिदिन 05.40 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 10.20 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 31 जनवरी, 2021 तक विस्तारित की गई है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में अंधेरी, बोरीवली, पालघर, दहानू रोड, वापी, वलसाड, बिलीमोरा जंक्शन, अमलसाड, नवसारी, मरोली, सचिन और उधना जंक्शन पर रुकेगी। ट्रेन में एसी चेयर कार और सेकंड क्लास सीटिंग कोच होंगे। यह ट्रेन पूरी तरह से आरक्षित रूप में चलेगी।ट्रेन नंबर 02200 बांद्रा टर्मिनस – झांसी सुपरफास्ट विशेष ट्रेन बांद्रा टर्मिनस से प्रत्येक शनिवार को 05.10 बजे रवाना होगी और अगले दिन 05.00 बजे झांसी पहुंचेगी। यह ट्रेन 9 जनवरी से 27 मार्च, 2021 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 02199 झांसी – बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन हर गुरुवार को 17:00 बजे झांसी से रवाना होगी और अगले दिन 16:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। । यह ट्रेन 7 जनवरी से 25 मार्च, 2021 तक चलेगी। यह ट्रेन बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वड़ोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, ब्यावरा राजगढ़, चचौरीबिनगंज, रुठैय्या, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, डबरा और दतिया स्टेशन दोनों दिशाओं में रुकेगी। ट्रेन में एसी 2–टियर, एसी 3–टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सीटिंग कोच शामिल है।ट्रेन नंबर 05564 उधना–जयनगर स्पेशल उधना से प्रत्येक रविवार को 08:35 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18:20 बजे जयनगर पह. ुंचेगी। यह ट्रेन 10 जनवरी से 31 जनवरी, 2021 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 05563 जयनगर–उधना स्पेशल जयनगर से प्रत्येक गुरुवार को 23:50 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 09:35 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन 7 जनवरी, 2021 से 28 जनवरी, 2021 तक चलेगी। यह ट्रेन नंदुरबार, अमलनेर, जलगाँव जंक्शन, भुसावल जंक्शन, खंडवा, हरदा, इटारसी जंक्शन पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, सतना, शंकरगढ़, प्रयागराज छेवकी, मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, पटना जंक्शन, मोकामा जंक्शन, बरौनी जंक्शन, समस्तीपुर जंक्शन और दरभंगा जंक्शन स्टेशन पर दोनों दिशाओं में रुकेगी।। इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी के सीटिंग कोच शामिल हैं।ट्रेन नंबर 05270 अहमदाबाद–मुजफ्फरपुर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन हर शनिवार को अहमदाबाद से 18.00 बजे प्रस्थान करेगी और 03.58 बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 9 जनवरी, 2021 से 30 जनवरी, 2021 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 05269 मुजफ्फरपुर –अहमदाबाद स्पेशल 21:20 बजे प्रत्येक गुरुवार को मुजफ्फरपुर से प्रस्थान करेगी और शनिवार को 07:40 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन 7 जनवरी से 28 जनवरी, 2021 तक चलेगी। यह ट्रेन महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़ जंक्शन, अजमेर, फुलेरा जंक्शन, जयपुर, भरतपुर जंक्शन, अछनेरा, आगरा किला, टूंडला जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा जंक्शन, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरियासर, भटनी जंक्शन, सीवान जंक्शन, छपरा, सोनपुर और हाजीपुर दोनों दिशाओं में रुकेगी। । इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी के सीटिंग कोच शामिल है।ट्रेन नंबर 05560 अहमदाबाद –दरभंगा फेस्टिवल स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को अहमदाबाद से रात 20:50 बजे रवाना होगी और 08:40 बजे दरभंगा पहुंचेगी। यह ट्रेन 8 जनवरी, 2021 से 29 जनवरी, 2021 तक चलेगी। इसी तरह ट्रेन नं 05559 दरभंगा – अहमदाबाद स्पेशल बुधवार को दरभंगा से 16.47 बजे रवाना होगी और शुक्रवार को 07:15 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन 6 जनवरी, 2021 से 27 जनवरी, 2021 तक चलेगी। यह ट्रेन आनंद जंक्शन, छायपुरी (वडोदरा) जंक्शन, गोधरा जंक्शन, रतलाम जंक्शन, नागदा जंक्शन, उज्जैन जंक्शन, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, गंज बसोडा, बीना, सौगोर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज रामबाग, ज्ञानपुर रोड, मंडुआडीह, वाराणसी, गाजीपुर सिटी, बलिया, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जंक्शन, मुजफ्फरपुर जंक्शन, समस्तीपुर जंक्शन, दरभंगा जं स्टेशन पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी के सीटिंग कोच शामिल हैं।ट्रेन संख्या 09451 गांधीधाम – भागलपुर महोत्सव स्पेशल हर शुक्रवार को गांधीधाम से 17.40 बजे प्रस्थान करेगी और रविवार को 20.15 बजे भागलपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 1 जनवरी, 2021 से 29 जनवरी, 2021 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09452 भागलपुर – गांधीधाम स्पेशल प्रत्येक सोमवार को भागलपुर से 05.00 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को 08.00 बजे गांधीधाम पहुंचेगी। यह ट्रेन 4 जनवरी, 2021 से 1 फरवरी, 2021 तक चलेगी। यह ट्रेन भचाऊ, समखियाली, ध्रांगध्रा, अहमदाबाद, नाडियाड, दाहोद, रतलाम, भवानीमंडी, कोटा, सवाईमाधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, बयाना, भरतपुर, अचनेरा, मथुरा, कासगंज, फर्रुखाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाममोतिहारी, मुज़फ़्फ़रपुर जंक्शन, समस्तीपुर, बरौनी, बेगूसराय, मँगहिर और सुल्तानगंज स्टेशन पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी के सीटिंग कोच शामिल हैं।ट्रेन नंबर 06337 ओखा – एर्नाकुलम जंक्शन स्पेशल प्रत्येक सोमवार और शनिवार को ओखा से 06.45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23.55 बजे एर्नाकुलम जंक्शन पहुंचेगी। यह ट्रेन 4 जून से 1 फरवरी, 2021 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 06338 एर्नाकुलम जंक्शन – ओखा स्पेशल एर्नाकुलम जंक्शन से प्रत्येक बुधवार और शुक्रवार को 20.25 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 16.40 बजे ओखा पहुंचेगी। यह ट्रेन 1 जनवरी से 29 जनवरी, 2021 तक चलेगी। यह ट्रेन द्वारका, खंबालिया, जामनगर, राजकोट, सुरेंद्रनगर, वीरमगाम, अहमदाबाद, आनंद, वड़ोदरा, अंकलेश्वर, सूरत, नवसारी, वलसाड, बोईसर, वसई रोड, भिवंडी, पनवेल, मानगाँव, रत्नागिरि, कंकावली, थिविम, मडगाँव, करवार, हँवर, भटकल, बंडूर, कुंडापुरा, उडुपी, सुरथकल, मंगलौर जंक्शन, कासरगोड, कान्हांगद, पयन्नूर, कन्नूर, टेलिचेरी, वाडाकरा, वडाइकरा, क्विंडा, क्वेइला, कुट्टीपुरम, पट्टांबी, शोरानूर, थ्रिसुर और अलुवा स्टेशन पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। ट्रेन नंबर 06337 का कन्नपुरम और फेरोक स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा। ट्रेन में एसी 2–टियर, एसी 3–टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सीटिंग कोच शामिल है।ट्रेन नंबर 06734 ओखा – रामेश्वरम स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को ओखा से 08.40 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 19.15 बजे रामेश्वरम पहुंचेगी। यह ट्रेन 5 जनवरी से 2 फरवरी, 2021 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 06733 रामेश्वरम – ओखा स्पेशल रामेश्वरम से प्रत्येक शुक्रवार को 22.10 बजे प्रस्थान करेगी और चौथे दिन 10.20 बजे ओखा पहुंचेगी। यह ट्रेन 1 जनवरी से 29 जनवरी, 2021 तक चलेगी। यह ट्रेन द्वारका, खंबालिया, जामनगर, राजकोट, वांकानेर, सुरेंद्रनगर, वीरमगाम, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, नंदुरबार, जलगांव, मनमाड, नागरसोल, औरंगाबाद, जालना, परभणी, पूर्णा, नांदेड़, मुद्खेद, निज़ामाबाद, कामरेड्डी, कचेगुडा, महबूबनगर, कुरनूल सिटी, द्रोणाचलम, येरागुंटला, कडप्पा, रेनिगेट्टा, तिरुपति, कटपडी, जलपरी, सलेम, नमक्कल, करूर, मदुरै, डिंडुगल, मदुरै स्टेशन पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। ट्रेन में 1 एसी, एसी 2–टियर, एसी 3–टियर, स्लीपर क्लास और से. कंडक्लास सीटिंग कोच शामिल हैं।ट्रेन नंबर 05046 ओखा – गोरखपुर स्पेशल प्रत्येक रविवार को 21.00 बजे ओखा से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 19.25 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 28 मार्च, 2021 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 05045 गोरखपुर – ओखा स्पेशल गोरखपुर से प्रत्येक गुरुवार को 04.45 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 03.55 बजे ओखा पहुंचेगी। यह ट्रेन 25 मार्च, 2021 तक चलेगी। यह ट्रेन द्वारका, खंबालिया, जामनगर, राजकोट, सुरेंद्रनगर, वीरमगाम, अहमदाबाद, आनंद, छियापुरी (वडोदरा), गोधरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन और मक्सी स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। ट्रेन में 1 एसी, एसी 2–टियर, एसी 3–टियर, स्लीपर क्लास और सेकंड क्लास सीटिंग कोच शामिल है।ट्रेन नंबर 02645 इंदौर – कोचुवेली स्पेशल इंदौर से प्रत्येक सोमवार को 16.50 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 16.20 बजे कोचुवेली पहुंचेगी। यह ट्रेन 4 जनवरी से 1 फरवरी, 2021 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 02646 कोचुवेली – इंदौर स्पेशल प्रत्येक शनिवार को कोचुवेली से 06.15 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 05.05 बजे इंदौर पहुंचेगी। यह ट्रेन 2 जनवरी से 30 जनवरी, 2021 तक चलेगी। यह ट्रेन देवास, उज्जैन, शुजालपुर, भोपाल, इटारसी, घोड़ाडोंगरी, बैतूल, आंवला, पंधुराना, नागपुर, सेवाग्राम, चंद्रपुर, बल्हारशाह, सिरपुरकागज़नगर, बेलमपल्ली, मंचापाल, रामगुंडम, वारंगल, खम्मम, विजयवाड़ा, तेनाली, चिरोला, ओंगोले, नेल्लूर, गुडूर, एमजीआर चेन्नई सेंट्रल, काटपाडी, जलरपेटाई, सलेम, इरोड, तिरुप्पुर, कोयंबटूर, पालघाट, ओट्टापलम, वाडकनचेरी, थ्रिसुर, इरिनजालुदा, इरुनाजालुदास एर्नाकुलम जंक्शन, चेरतला, अलाप्पुझा, अंबलप्पुझा, हरिपद, कन्याकुलम और कोल्लम स्टेशन पर दा. `नों दिशाओं में रुकेगी। ट्रेन नंबर 02645 का एर्नाकुलम टाउन में एक अतिरिक्त ठहराव होगा। ट्रेन में एसी 2–टियर, एसी 3–टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सीटिंग कोच शामिल हैं।ट्रेन संख्या 04322 भुज–बरेली स्पेशल सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को भुज से 18:05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात 20:35 बजे बरेली पहुंचेगी। यह ट्रेन 2 जनवरी, 2021 से 31 जनवरी, 2021 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 04321 स्पेशल सोमवार, गुरुवार, शनिवार और रविवार को सुबह 06:35 बजे बरेली से रवाना होगी और अगले दिन 08.50 बजे भुज पहुंचेगी। यह ट्रेन 1 जनवरी, 2021 से 31 जनवरी, 2021 तक चलेगी। यह ट्रेन गांधीधाम, समखियाली, भिल्दी, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़ जंक्शन, ब्यावर, अजमेर जंक्शन, किशनगढ़, नरैना, फुलेरा जंक्शन जयपुर, गामध ीनगर जयपुर, गेटोर जगतपुरा, दौसा, बांदीकुई जंक्शन, राजगढ़, अलवर जंक्शन, खैरथल, रेवार, पटौदी रोड, गढ़ी हरसरू जंक्शन, गुड़गांव, पालम, दिल्ली कैंट, दिल्ली एस रोहिल्ला, दिल्ली, गाजियाबाद, पिलकुआ, हापुड़, गजरौला जन्नत , अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर मिलक और बरेली स्टेशन पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी के सीटिंग कोच शामिल हैं।ट्रेन संख्या 04312 भुज–बरेली स्पेशल भुज से मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार को 15:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात 20:35 बजे बरेली पहुंचेगी। यह ट्रेन 1 जनवरी, 2021 से 29 जनवरी, 2021 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 04311 स्पेशल बरेली से मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को 06:35 बजे प्रस्थान करेगी और 11:00 बजे भुज पहुंचेगी। दिन। यह ट्रेन 2 जनवरी, 2021 से 30 जनवरी, 2021 तक चलेगी। यह ट्रेन गांधीधाम, समखियाली, ध्रांगंध्रा, विरामगाम, आंबली रोड, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़ जंक्शन, सोजत रोड, ब्यावर, अजमेर, जंक्शन, किशनगढ़, नरैना, फुलेरा जंक्शन, जयपुर, गामधीनगर जयपुर, गेटोर जगतपुरा, दौसा, बांदीकुई जंक्शन, राजगढ़, अलवर जंक्शन, खैरथल, रेवार, पटौदी रोड, गढ़ीहरसुं जंक्शन, गुड़गांव, पालम, दिल्ली कैंट, दिल्ली एस रोहिल्ला, दिल्ली एस रोहिल्ला, दिल्ली गाजियाबाद, पिलकुआ, हापुड़, गजरौला जंक्शन, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर मिलक और बरेली स्टेशन पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी के सीटिंग कोच शामिल हैं।ट्रेन नंबर 06067 चेन्नई एग्मोर – जोधपुर सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शनिवार को चेन्नई एग्मोर से 15.30 बजे रवाना होगी और रविवार को 08.00 बजे जोधपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 2 जनवरी से 30 जनवरी, 2021 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 06068 जोधपुर–चेन्नई एग्मोर सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक सोमवार को 23.55 बजे जोधपुर से रवाना होगी और बुधवार को 16.10 बजे चेन्नई एगमोर पहुंचेगी। यह ट्रेन 4 जनवरी से 1 फरवरी, 2021 तक चलेगी। यह ट्रेन गुडूर जंक्शन, नेल्लोर, ओंगोले, विजयवाड़ा जंक्शन, खम्मम, वारंगल, बल्हारशाह, चंद्रपुर, वर्धा जंक्शन, बडनेरा जंक्शन, अकोला जंक्शन, शेगाँव, भुसावल जंक्शन, जलगाँव जंक्शन, नंदुरबार, सूरत, वड़ोदरा जंक्शन, अहमदाबाद जंक्शन, मेहसाणा जंक्शन, पालनपुर जंक्शन।, आबू रोड, पिंडवाड़ा, फालना, मारवाड़ जंक्शन, पाली मारवाड़ स्टेशन पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2–टियर, एसी 3–टियर, स्लीपर क्लास और सेकेंड क्लास सीटिंग कोच शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com   www.facebook.com/krantisamay1   www.twitter.com/krantisamay1

हर बार से अलग होगी इस बार की गणतंत्र दिवस परेड, किए गए कई बड़े बदलाव

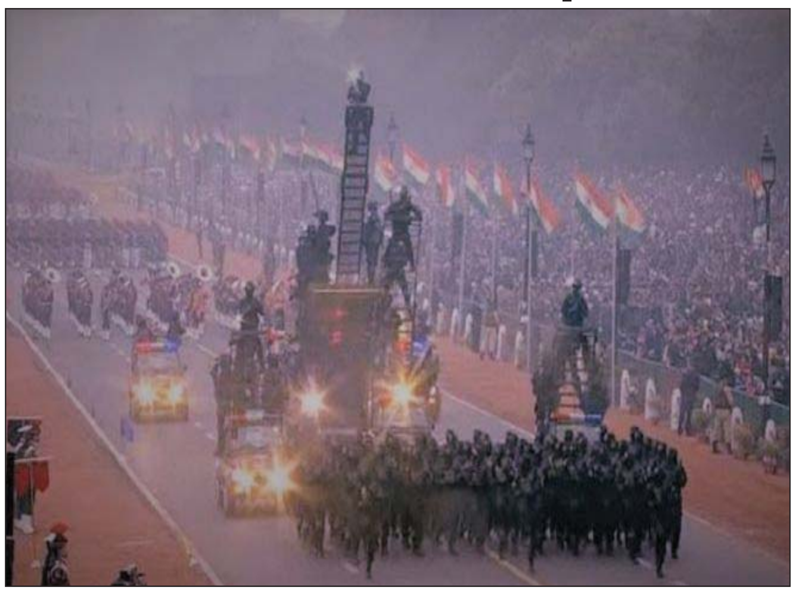

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी की वजह से इस बार की गणतंत्र दिवस परेड में कई बड़े बदलाव दिखाई देंगे। बता दें कि केंद्र सरकार ने महामारी को देखते हुए परेड की लम्बाई को कम करने की योजना बनाई है। अमूमन, हर साल गणतंत्र दिवस की परेड विजय चौक से शुरू होकर लाल किले तक जाती थी लेकिन इस बार यह परेड लाल किले तक नहीं जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, परेड विजय चौक से ही शुरू होगी और नेशनल स्टेडियम पर परेड का समापन होगा। जिसका मतलब है कि परेड महज 3.3 किमी की होगी। जो हर साल 8.2 किमी की होती थी।

मास्क पहनना अनिवार्य

केंद्र सरकार के नए दिशा-निर्देश के मुताबिक, परेड में हिस्सा लेने वाले तमाम लोगों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त इस बार परेड करने वाले दस्तों की संख्या भी पहले से कम होगी और परेड देखने का मौका भी कम लोगों को मिलेगा। हर साल 1 लाख 15 हजार लोगों को परेड देखने का मौका मिलता था लेकिन इस बार 25 हजार लोग ही मौजूद रहेंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, गणतंत्र दिवस परेड के मौके पर हर साल 32 हजार टिकट बेचे जाते थे लेकिन इस बार 7500 लोग ही टिकट लेकर शामिल हो सकेंगे। वहीं, इस बार छोटे बच्चे परेड में शामिल नहीं होंगे। जबकि 15 साल से अधिक उम्र वाले स्कूली बच्चों को शामिल होने की अनुमति दे दी गई है।

शारीरिक दूरी का रखा जाएगा खास ख्याल

कोरोना संक्रमण के मद्देनजर शारीरिक दूरी के नियमों का पालन कराने के लिए सरकार ने हर तरफ लोगों की संख्या में कटौती करने का प्रयास किया है। बता दें कि पहले की तुलना में परेड में कम दस्ते शामिल होंगे एवं उनकी चौड़ाई भी कम होगी ताकि शारीरिक दूरी के नियमों का पालन हो सकें। वैसे तो हर दस्ते में 144 लोग शामिल होते थे लेकिन इस बार इनकी संख्या कम होकर 96 रह जाएगी।

कोविड बूथ बनाए जाएंगे

साल 2020 ने कई सारे नए शब्दों को हमारे सामने लाकर रख दिया और अब इस शब्दों का चलन आम हो गया है। जैसे- मास्क, शारीरिक दूरी, पृथकवास इत्यादि। गणतंत्र दिवस परेड के मौके पर भी कई सारे शब्द सुनाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि परेड में शामिल होने वाले सभी लोगों के लिए कोविड बबल बनाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कोविड बूथ का भी निर्माण किया जाएगा। मौके पर डॉक्टरों का स्टॉफ भी मौजूद रहेगा। साफ-साफ शब्दों में कहें तो कोरोना के तमाम दिशा-निर्देशों का पूरी तरह से पालन किया जाएगा।

राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर कसा तंज, कहा- हर बैंक खाते में 15 लाख रुपए और हर साल देंगे दो करोड़ नौकरियां

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने किसान संगठनों और सरकार के बीच नए दौर की बातचीत की पृष्ठभूमि में बुधवार को कहा कि केंद्र को तीनों 'काले कृषि कानूनों' को निरस्त कर किसानों को नए साल की सौगात देनी चाहिए। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश के किसान विश्वास नहीं करते। उन्होंने प्रधानमंत्री के पूर्व के कुछ बयानों का हवाला देते हुए ट्वीट किया, 'हर बैंक खाते में 15 लाख रुपये और हर साल दो करोड़ नौकरियां। 50 दिन दीजिए, नहीं तो... हम कोरोना वायरस के खिलाफ 21 दिनों में युद्ध जीतेंगे। न तो कोई हमारी सीमा में घुसा है और न किसी चौकी पर कब्जा किया है।'

उन्होंने कहा, ''मोदी जी के 'असत्याग्रह' के लंबे इतिहास के कारण उन पर किसान विश्वास नहीं करते।'' हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष कुमारी सैलजा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम

मांग कर रहे हैं कि सरकार अपना हठ छोड़े। तीनों काले कानून खत्म करें और इसके बाद नए सिरे से किसान मजदूर को नए साल की सौगात दें। सरकार के पास नयी शुरुआत का मौका है।'' उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि केंद्र और हरियाणा प्रदेश की भाजपा सरकारें जनता के बीच विश्वास खो चुकी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''हरियाणा में 10 से ज्यादा किसानों की मौत हो चुकी है। हरियाणा की सरकार किसानों की बात नहीं सुन रही है। बेहतर होता कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर किसानों के प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रधानमंत्री से मुलाकात करते और उन्हें जमीनी स्थिति से अवगत कराते।''

सैलजा ने आरोप लगाया, ''सरकार कारपोरेट को गले लगाती है, लेकिन किसानों और गरीबों की नहीं सुनती। अगर खेती का निगमीकरण किया गया तो किसान भी जीएसटी और दूसरे करों के दायरे में आ जाएगा। इससे किसान का नुकसान होगा। इसका मतलब कि यह कुछ उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने का प्रयास है।'' उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने दावा किया, ''इन तीनों काले कानूनों के विरोध में किसान लगातार विरोध कर रहे हैं, लेकिन लगता है कि सरकार हठधर्मिता पर उतर चुकी है। गतिरोध तोड़ने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है।'' उन्होंने दावा किया कि इन कानूनों से सिर्फ किसानों को नुकसान नहीं होगा, बल्कि महंगाई बढ़ेगी तो देश के हर नागरिक का नुकसान होगा।

मोदी मंत्रिमंडल ने एस्टोनिया, पैराग्वे, डोमिनिकन रिपब्लिक में भारतीय मिशन स्थापित करने को दी मंजूरी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एस्टोनिया, पैराग्वे, डोमिनिकन रिपब्लिक में भारतीय मिशन स्थापित करने को बुधवार को मंजूरी प्रदान कर दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने संवाददाताओं को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी देशों के साथ अच्छे संबंध स्थापित करने की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में केंद्रीय मंत्रियों को ऐसे देशों में भेजा गया जहां पिछले 70 वर्षों में कोई मंत्री नहीं गया हो। इसमें देशों के साथ संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की भावना रही है। जावड़ेकर ने कहा कि इसी के अनुरूप एस्टोनिया, पैराग्वे, डोमिनिकन रिपब्लिक में भारतीय मिशन स्थापित करने का निर्णय किया गया। इससे इन देशों के साथ व्यापार, सांस्कृतिक संबंध और परस्पर आदान प्रदान को मजबूती दी जा सकेगी। सरकारी बयान के अनुसार, इन तीन देशों में भारतीय मिशन खोलने से भारत का राजनयिक दायरा बढ़ाने, राजनीतिक संबंधों को गहरा करने,

द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आर्थिक जुड़ाव में विकास को सक्षम करने, लोगों से लोगों के मजबूत संपर्कों को कायम करने, बहुपक्षीय मंचों में राजनीतिक पहुंच को बढ़ावा देने और भारत के विदेश नीति उद्देश्यों के लिए समर्थन जुटाने में मदद मिलेगी। इन देशों में भारतीय मिशन वहां के भारतीय समुदाय और उनके हितों की रक्षा करने में बेहतर तरीके से सहायता कर पाएंगे। बयान में कहा गया है कि इससे भारत की राजनयिक उपस्थिति में बढ़ोतरी होने से पारस्परिक रूप से भारतीय कंपनियों को बाजार तक पहुंच मुहैया होगा और वस्तुओं एवं सेवाओं के भारतीय निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। इसका आत्मनिर्भर भारत के हमारे लक्ष्य के अनुरूप घरेलू उत्पादन और रोजगार को बढ़ाने में सीधा असर होगा।

कोरोना का खतरा अभी नहीं हुआ कम, सुरक्षा दिशा-निर्देशों में भी कोई बदलाव नहीं: येदियुरप्पा

बेंगलुरु। (एजेंसी)।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस का खतरा अभी कम नहीं हुआ है और महामारी को लेकर जरा सी भी लापरवाही नहीं की जानी चाहिये। उन्होंने कहा कि अभी सुरक्षा दिशा-निर्देशों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने नागरिकों से दिशा-निर्देशों का पालन करने और सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने ब्रिटेन से लौटने वाले लोगों से भी यूरोपीय देश में सामने आये कोरोना वायरस के नये स्वरूप को फैलने से रोकने के वास्ते आवश्यक स्वास्थ्य जांच या परीक्षण कराने का आह्वान किया।

येदियुरप्पा ने कहा, ''प्रिय नागरिकों, कोरोना वायरस का खतरा अभी भी कम नहीं हुआ है। जैसा कि हम नए साल में प्रवेश करने वाले हैं यहां तक कि महामारी के बारे में थोड़ी सी भी लापरवाही नहीं की जा सकती है।'' उन्होंने ट्वीट किया, ''सरकार के दिशा-निर्देशों और नियमों का पालन करें और सभी आवश्यक एहतियाती उपाय करके सुरक्षित रहें, और सहयोग करें।''

मुख्यमंत्री ने नववर्ष के मद्देनजर यह अपील की है। सरकार ने नये साल की पार्टियों, विशेष डीजे

डांस कार्यक्रमों और क्लबों, पबों, रेस्तरां तथा अन्य स्थानों पर विशेष कार्यक्रमों पर रोक लगा दी है ताकि इस वायरस को फैलने से रोका जा सके। सार्वजनिक स्थानों और समारोहों के लिए सड़कों पर लोगों का इकट्ठा होना प्रतिबंधित है, लेकिन इन स्थानों पर आम गतिविधियां जारी रह सकती हैं। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय ब्रिटेन में सामने आये कोरोना वायरस के नये स्वरूप पर भारत में नजर बनाये हुए है। उन्होंने कहा, ''हमें सचेत रहना होगा और उन लोगों की जांच करनी होगी, जो बाहर से आए हैं।''

उन्होंने कहा, ''राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में मैं उन सभी से अपील करता हूं, जो पिछले दो महीनों में यहां आए हैं, वे आगे आकर अपनी स्वास्थ्य जांच करायें और सहयोग करें। यह देखें कि आप दूसरों के लिए परेशानी पैदा न करें।'' अब तक राज्य में लौटे सात लोग कोरोना वायरस के नये स्वरूप (स्ट्रेन) से संक्रमित पाये गये हैं और उनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। दो उड़ानों एयर इंडिया और ब्रिटिश एयरवेज से 25 नवम्बर से 22 दिसम्बर तक ब्रिटेन से कुल 2,500 लोग राज्य में लौटे हैं।

महाराष्ट्र सरकार को गिराने के प्रयासों में भाजपा को कोई नहीं मिलेगी सफलता: शरद पवार

मुंबई। (एजेंसी)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) सुप्रीमो शरद पवार ने कहा है कि महाराष्ट्र सरकार को गिराने के प्रयासों में भाजपा को कोई सफलता नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी सरकार स्थिर है और अपना कार्यकाल पूरा करेगी। उन्होंने राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई की आलोचना करते हुए इसे 'सत्ता का दुरुपयोग' बताया। पवार ने कहा, ''(ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार को सत्ता में आए हुए) एक साल हो चुके हैं...उन्हें (भाजपा) दो महीने में सरकार गिरानी थी, फिर उन्हें छह महीने में ऐसा करना था, फिर आठ महीने में। लेकिन कुछ नहीं होगा। यह सरकार स्थिर है और कार्यकाल पूरा करेगी।'' शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस की एमवीए सरकार ने पिछले महीने एक साल पूरा कर लिया। गठबंधन के भागीदारों के बीच वैचारिक दूरियों के कारण इस अवधि में भाजपा के कई नेता ऐसा कहते रहे कि यह सरकार नहीं चल पाएगी। भाजपा और शिवसेना 2019 के विधानसभा चुनाव में साथ थी, लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर मतभेद के बाद दोनों दलों के रास्ते अलग हो गए। इसके बाद जैसा कि कहा जाता है पवार ने ही शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस को साथ लाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। महाराष्ट्र के चार बार मुख्यमंत्री रहे और केंद्र में मंत्री रह चुके कद्दावर नेता पवार राज्य में ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार के कामकाज के लिए मार्गदर्शक के तौर पर देखे जाते हैं। शिवसेना के नेता और 'सामना' के संपादक संजय राउत की पत्नी वर्षा को ईडी के नोटिस के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा, ''यह सत्ता का दुरुपयोग है।'' ईडी ने पीएमसी बैंक से जुड़े 4300 करोड़ रुपये के धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए वर्षा को तलब किया है। पवार ने कहा, ''उन्होंने एक बार मुझे भी नोटिस देने की कोशिश की थी, लेकिन उसे वापस ले लिया गया। मैं बैंक के बोर्ड का सदस्य भी नहीं था और ना ही बैंक में मेरा कोई खाता है।'' पिछले साल ईडी ने महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक (एमएससीबी) में कथित घोटाला के संबंध में एक आपराधिक मामला दर्ज किया था और पवार, उनके भतीजे अजित पवार तथा अन्य की भूमिका एजेंसी की जांच के घेरे में आयी थी। ईडी ने पवार को समन नहीं किया लेकिन राकांपा अध्यक्ष ने उस समय जोर दिया था कि वह जांच एजेंसी के कार्यालय जाएंगे। कानून और व्यवस्था की स्थिति के मद्देनजर राज्य पुलिस ने पवार को मनाया, जिसके बाद उन्होंने कार्यालय जाने का विचार छोड़ दिया। शिवसेना लगातार आरोप लगा रही है कि केंद्रीय जांच एजेंसियां अनुचित तरीके से उसके नेताओं को निशाना बना रही हैं। हाल में राकांपा में शामिल हुए भाजपा के पूर्व नेता एकनाथ खडसे को भी पुणे में भूमि के सौदे में धनशोधन की जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए ईडी ने तलब किया था।

2020 में स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी कोरोना वायरस से लड़ना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के लिये कोविड-19 के खिलाफ भारत की जंग के लिहाज से 2020 बेहद चुनौतीपूर्ण रहा और इस दौरान जांच केंद्रों की संख्या बढ़ाने के साथ ही स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने जैसे मुश्किल लक्ष्य भी उसे साधने पड़े। कोविड-19 के उपचार और प्रबंधन संबंधित दिशानिर्देश समय समय पर जारी कर लोगों को इस महामारी से सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी ने मंत्रालय के काम का बोझ भी इस साल काफी बढ़ाया। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसके साथ ही साथ टीके के विकास कार्यक्रम को भी पटरी पर रखा और टीकों के अगले साल की शुरुआत में उपलब्ध होने की पूरी उम्मीद है। देश में कोरोना वायरस संक्रमण का पहला मामला 30 जनवरी को केरल में सामने आया था जबकि इससे पहली मौत कर्नाटक में 10 मार्च को हुई थी। सितंबर आते आते भारत कोविड-19 के मामलों के लिहाज से अमेरिका के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बुरी तरह प्रभावित देश बन गया था। कोरोना वायरस को नियंत्रित करने के लिए लॉकडाउन करना पड़ा और फिर देश ने जैसे-जैसे क्रमिक और पूर्वानुमानित रुख के साथ लॉकडाउन के नियमों में ढील दी, स्वास्थ्य मंत्रालय ने धार्मिक स्थलों, शॉपिंग मॉल, रेस्तरां, होटल और कार्यालयों तथा हाल ही में शैक्षणिक संस्थानों को खोलने के दौरान वायरस का प्रसार रोकने के लिये मानक संचालन प्रक्रिया जारी करना शुरू किया। केंद्र ने 30 मार्च को कोविड-19 के खिलाफ लड़ रहे स्वास्थ्य कर्मियों के लिये 50 लाख रुपये के बीमा कवर की भी शुरुआत की। उसने देश में कोविड-19 के प्रबंधन और विभिन्न मुद्दों पर सुविज्ञ फैसले लेने के लिये 11 अधिकार प्राप्त समूहों का भी गठन किया। कोरोना के दैनिक मामले सितंबर में चरम पर पहुंच गए जब महीने के 17वें दिन सामने आए संक्रमण के मामलों की संख्या 97,894 पहुंच गई, जिसके बाद से भारत में गिरावट का रुख देखा जा रहा है जबकि कई अन्य देशों में संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। कोविड-19 के दैनिक मामलों में गिरावट के बावजूद भारत में 19 दिसंबर को कोरोना वायरस संक्रमण के मामले एक करोड़ के आंकड़े के पार पहुंच गए और प्रति 10 लाख नए मामले सामने आने में अब करीब एक महीने का समय लग रहा है जबकि अगस्त और सितंबर में यह आंकड़ा और कम समय में पूरा हो जा रहा था। कोविड-19 के वैश्विक आंकड़ों का संकलन कर रही अमेरिका की जॉन्स हॉप्किंस युनिवर्सिटी के मुताबिक भारत में अब तक 98 लाख से ज्यादा लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और इस महामारी से ठीक होने वालों की संख्या के हिसाब से देश पहले स्थान पर है और उसके बाद ब्राजील आता है। वहीं महामारी से जान गंवाने वालों की संख्या के हिसाब से अमेरिका और ब्राजील के बाद भारत तीसरे स्थान पर है। महामारी से जंग के दौरान भारत ने कोविड-19 से बचाव के लिए पीपीई और एन-95 मास्क जैसी जरूरी चीजों का उत्पादन बढ़ाने के साथ ही जांच की सुविधा में भी इजाफा किया और इनके घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देकर विदेशों पर निर्भरता कम ही। शुरू में देश में सिर्फ पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वाइरोलॉजी (एनआईवी) में जांच प्रयोगशाला थी और लॉकडाउन की शुरुआत में इसे बढ़ाकर 100 किया गया और 23 जून को आईसीएमआर ने देश में 1000वीं जांच प्रयोगशाला को मान्यता दे दी थी। भारत में 1200 सरकारी और 1080 निजी प्रयोगशालाओं में कोविड-19 के लिये अब तक 17 करोड़ से ज्यादा नमूनों की जांच की जा चुकी है। इस महामारी के इलाज के लिये टीका विकसित करने को जब कई देशों ने कमर कसी तो भारतीय वैज्ञानिकों ने भी पहल की और कम से कम तीन टीके विकसित करने की दिशा में दावेदारी की जिनमें से एक को मंजूरी देने के लिये सक्रियता से विचार किया जा रहा है। फिलहाल, कोविड-19 के छह टीके भारत में नैदानिक परीक्षण के दौर से गुजर रहे हैं। ये हैं- भारत बायोटेक द्वारा आईसीएमआर के साथ मिलकर बनाई जा रही, कोवैक्सीन, एस्ट्राजेनेका के लाइसेंस के तहत एसआईआई द्वारा बनाई जा रही ऑक्सफोर्ड वैक्सीन, केंद्र के जैवप्रौद्योगिकी विभाग के साथ अहमदाबाद में कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड द्वारा बनाई जा रही जाइकोव-डी, रूस के गामालेया नेशनल सेंटर के साथ मिलकर हैदराबाद के डॉ. रेड्डीज लैब द्वारा बनाई जा रही स्पूतनिक-5, अमेरिका की एमआईटी के साथ हैदराबाद की बायोलॉजिकल ई लिमिटेड द्वारा बनाया जा रहा टीका तथा छठा पुणे स्थित जेन्नोवा बायोफार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड द्वारा अमेरिका के एचडीटी द्वारा मिलकर बनाया जा रहा टीका है। इसके अलावा एक एनवीएक्स-सीओवी2373 भी है जिसे एसआईआई द्वारा नोवावैक्स के साथ मिलकर बनाया जा रहा है और इसके तीसरे चरण का नैदानिक परीक्षण औषधि नियामक के पास विचारार्थ है। इसबीच भारत बायोटेक, सीरम इंस्ट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) और फाइजर ने भारत के औषधि महानियंत्रक के समक्ष भारत में आपातकालीन इस्तेमाल के लिये अपने टीकों को अधिकृत किये जाने के लिये आवेदन किया है। केंद्र ने हाल में कहा था कि फाइजर ने अभी अपनी प्रस्तुति नहीं दी है जबकि भारत बायोटेक और सीरम इंस्टीट्यूट के आवेदनों की जांच की जा रही है। महामारी का प्रसार रोकने के लिये किये जा रहे तमाम प्रयासों के साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय लोगों में कोविड अनुकूल आचरण को अपनाने के महत्व को रेखांकित करने के लिये मीडिया से भी नियमित रूप से संपर्क में रहा। लोगों को मास्क पहनने, हाथों की साफ सफाई, श्वसन संबंधी तौर तरीकों और सामाजिक दूरी के पालन का वायरस के प्रसार पर पड़ने वाला असर भी बताया गया। सरकार पहले चरण में 30 करोड़ लोगों के टीकाकरण की तैयारी कर रही है ऐसे में स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में राज्यों को टीकाकरण अभियान के लिये 'कोविड-19 टीका संचालन दिशानिर्देश' जारी किये हैं। कोविड-19 टीका पहले स्वास्थ्य कर्मियों, अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों और 50 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को दिया जाएगा जिसके बाद अन्य बीमारियों से ग्रस्त 50 साल से कम उम्र के लोगों को यह दिया जाएगा।

सार समाचार

कोरोना वायरस के नए स्वरूप को लेकर अधिक सतर्कता बरती जाए: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना वायरस के नए स्वरूप को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री ने बुधवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में 'अनलॉक' व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि कोरोना वायरस के नए स्वरूप (स्ट्रेन) की जांच के सम्बन्ध में प्रदेश की प्रयोगशालाओं को आवश्यक उपकरणों से लैस करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक प्रबंध किए जाएं। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए कोविड-19 की मेडिकल जांच का कार्य पूरी क्षमता से संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए प्रतिदिन पर्याप्त संख्या में आरटीपीसीआर तथा रैपिड एंटीजन जांच की जाएं। योगी ने कहा कि आगामी 10 जनवरी से मुख्यमंत्री आरोग्य मेलों का आयोजन फिर से शुरू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आरोग्य मेला प्रदेश के सभी ग्रामीण तथा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री आरोग्य मेले के दौरान लोगों को कोविड-19 से बचाव के बारे में जागरूक किया जाए।

31 दिसंबर के लिए महाराष्ट्र सरकार ने जारी की नयी गाइड लाइंस

मुंबई। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बुधवार को कहा कि राज्य में होटल, रेस्तरां, पब और बार 31 दिसंबर को रात 11 बजे तक खुले रहेंगे। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर पांच या ज्यादा लोगों के जमावड़े पर प्रतिबंध रहेगा लेकिन (रात्रि कर्फ्यू के मद्देनजर रात में 11 बजे के बाद) दवा खरीदने और रिश्तेदारों, दोस्तों के घर जाने के लिए बाहर निकलने पर पाबंदी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को पहाड़ी पर्यटन स्थलों पर महामारी संबंधी पाबंदियों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा गया है क्योंकि नववर्ष पर बड़ी संख्या में वहां लोग आ सकते हैं। देशमुख ने लोगों से दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील करते हुए कहा, ''होटल, रेस्तरां, पब और बार कल (31 दिसंबर) रात 11 बजे तक खुले रहेंगे। (11 बजे के बाद) दवा खरीदने या दोस्तों और रिश्तेदारों के यहां जाने के लिए घर से निकलने पर रोक नहीं होगी। सार्वजनिक स्थानों पर पांच या ज्यादा लोगों के जमावड़े पर प्रतिबंध रहेगा।''

सरकार-किसान संगठनों के बीच बैठक, किसानों के लंगर में शामिल हुए कई केंद्रीय मंत्री

नयी दिल्ली। नए कृषि कानूनों पर गतिरोध सुलझाने के लिए बुधवार को छठे दौर की वार्ता के दौरान प्रदर्शनकारी किसानों द्वारा भोजन के लिए लंगर के आयोजन में तीन केंद्रीय मंत्री भी शामिल हुए। विज्ञान भवन में वार्ता आरंभ होने के करीब दो घंटे बाद बैठक स्थल के पास एक वैन से किसानों के लिए लंगर पहुंचाया गया। वार्ता के दौरान कुछ देर का भोजनावकाश रखा गया। इस दौरान किसान नेताओं के साथ मंत्रियों ने भी लंगर खाया। बैठक स्थल पर मौजूद सूत्रों ने बताया कि कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, खाद्य और रेल मंत्री पीयूष गोयल और वाणिज्य राज्य मंत्री सोम प्रकाश ने भी ब्रेक के दौरान किसान नेताओं के साथ लंगर खाया। किसान नेताओं ने कहा कि बातचीत जारी है और एजेंडा पर बिंदुवार चर्चा की जा रही है। पिछली कुछ बैठकों के दौरान किसान नेताओं ने खुद अपने भोजन, चाय-नाश्ते की व्यवस्था की थी और सरकार ने भोजन के लिए जो आयोजन किया था, वहां खाने से इनकार कर दिया था।

धार्मिक प्रतीकों वाला शॉल ओढ़कर नवजोत सिंह सिद्धू ने सिखों को किया नाराज, अब मांगी माफी

चंडीगढ़। धार्मिक प्रतीकों वाला शॉल ओढ़कर कथित तौर पर सिख समुदाय की भावनाएं आहत करने वाले कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने अपने इस व्यवहार के लिए बुधवार को माफी मांग ली। अकाल तख्त जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने सिद्धू के इस आचरण को लेकर पैदा हुए विवाद के बाद मंगलवार को उन्हें माफी मांगने की सलाह दी थी। सिद्धू ने कहा कि अनजाने में सिखों की भावनाओं को आहत करने के लिए वह माफी मांगते हैं। उन्होंने ट्वीट किया, ''श्री अकाल तख्त साहिब सर्वोच्च है। अनजाने में मैंने यदि एक भी सिख की भावना को आहत किया है तो मैं उसके लिए क्षमा मांगता हूं। लाखों लोग अपनी पगड़ी या कपड़ों पर सिख धर्म के प्रतीकों का इस्तेमाल करते हैं।

श्रीनगर में सेना को मिली बड़ी सफलता, मुठभेड़ में तीन आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। श्रीनगर के परिम्पोरा इलाके में बीती रात शुरू हुई मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए हैं। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि आतंकवादियों ने मंगलवार शाम परिम्पोरा इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों पर हमला कर दिया था। उन्होंने कहा कि इसके बाद घेराबंदी को और पुख्ता किया गया और दोनों ओर से पूरी रात रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही। अधिकारियों ने कहा कि एक आतंकवादी आज तड़के मारा गया जबकि दो अन्य को कुछ घंटे बाद ढेर कर दिया गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)